page 1 and 8 June 17_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/17/2026 1:33 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 किसानों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को उठाया

5 ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हाकी इंडिया ने दी बधाई

8 रुद्र राड़े का भव्य आयोजन, डोगरा संस्कृति की विरासत को किया जीवंत

मौसम जम्मू — न्यूनतम 28, अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-148 | जम्मू तवी, बुधवार 17 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

देशों के बीच रिश्ते दाता-प्राप्तकर्ता नहीं, बल्कि एकजुटता और परस्पर सम्मान पर आधारित होने चाहिए : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 16 जून । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित 'नई साझेदारियों का निर्माण और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता के पुनर्निर्माण' विषयक आउटरीच सत्र में भाग लेते हुए वैश्विक सहयोग के लिए विश्वास और समानता पर आधारित साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के परस्पर जुड़े हुए विश्व में देशों के बीच संबंध केवल दाता और प्राप्तकर्ता की सोच तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि एकजुटता, परस्पर सम्मान और समान भागीदारी पर आधारित होने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हमेशा 'मानवता प्रथम' के सिद्धांत का पालन किया है। उन्होंने भारत की पहल पर स्थापित इंटरनेशनल सोलर अलायंस, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई), ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, मिशन लाइफ और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी प्रयास वैश्विक कल्याण और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की सोच 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात 'संपूर्ण विश्व एक परिवार है' की प्राचीन भारतीय भावना से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत समावेशी, टिकाऊ और सभी के लिए लाभकारी वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान उन्होंने सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं के साथ मुलाकात की तथा समृद्धि, सतत विकास और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जी7 नेताओं और विशेष आमंत्रित नेताओं की सामूहिक तस्वीर साझा की। उन्होंने कहा, फ्रप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेता फ्रांस के एवियन में आयोजित 52वें जी7 शिखर सम्मेलन में पारिवारिक तस्वीर खिंचवाने के लिए एकत्रित हुए। यह वैश्विक चुनौतियों से निपटने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। नीस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय मंच पर भी अपनी चर्चा को आगे बढ़ाया। भारत और फ्रांस ने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने तथा अधिक समृद्ध, सतत और समावेशी भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की सोच 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात 'संपूर्ण विश्व एक परिवार है' की प्राचीन भारतीय भावना से प्रेरित है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर विकास प्राधिकरण की 84वीं निदेशक मंडल बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 16 जून। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सिविल सचिवालय में श्रीनगर विकास प्राधिकरण (एसडीए) के निदेशक मंडल की 84वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पिछली बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई तथा शहरी अवसंरचना विकास, आवास, संगठनात्मक सुधार, भूमि प्रबंधन और प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से जुड़े अनेक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बोर्ड ने पिछली बैठक के निर्णयों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट का संज्ञान लिया। इसमें सार्वजनिक अवसंरचना परियोजनाओं के लिए भूमि की पहचान, विकास पहलों की प्रगति, प्रमुख तकनीकी कर्मियों की नियुक्ति तथा प्राधिकरण द्वारा किए गए अन्य प्रशासनिक उपाय शामिल थे। बैठक में एसडीए द्वारा संचालित प्रमुख शहरी विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। इनमें राखी गुंड अख्शा, बेमिना में प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप, वाणिज्यिक परिसंपत्तियों का विकास, आवासीय परियोजनाएं तथा श्रीनगर में शहरी सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई अन्य अवसंरचना पहलें शामिल हैं।

राखी गुंड अख्शा में प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप और अन्य आगामी आवासीय परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने सुव्यवस्थित, आकर्षक और रहने योग्य शहरी क्षेत्रों के निर्माण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आवासीय विकास योजनाओं में पर्याप्त नागरिक और सामाजिक अवसंरचना शामिल होनी चाहिए, जिनमें विद्यालय, पार्क, खेल मैदान, खरीदारी सुविधाएं तथा अन्य आवश्यक जनसुविधाएं शामिल हों। साथ ही गुणवत्तापूर्ण लैंडस्केपिंग और आकर्षक परिवेश सुनिश्चित किया जाना चाहिए, जिससे समग्र शहरी वातावरण बेहतर बने। बोर्ड ने प्राधिकरण की संस्थागत क्षमता को मजबूत बनाने, भर्ती नियमों के निर्माण, कर्मचारियों के कल्याणकारी उपायों के क्रियान्वयन तथा योजना और विकास गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर भी चर्चा की। बैठक में श्रीनगर मास्टर प्लान के संशोधन और क्रियान्वयन, क्षेत्रीय विकास योजनाओं की तैयारी, वाणिज्यिक परिसंपत्तियों के प्रबंधन, सार्वजनिक अवसंरचना विकास तथा प्राधिकरण के बजट अनुमानों से संबंधित प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पारदर्शी, प्रभावी और सतत शहरी विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए तथा योजना मानकों और जनहित का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।

खबर संक्षेप

तीन ड्रग तस्करों की 4 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

श्रीनगर, 16 जून । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुलवामा और श्रीनगर ज़िलों में तीन ड्रग तस्करों की 4 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की है। यह कार्रवाई नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत की गई। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान% के तहत ड्रग तस्करी के ख़िलाफ़ एक बड़ी कार्रवाई में अवंतीपोरा पुलिस ने कुख्यात ड्रग तस्कर निसार अहमद खांडे की लगभग 2.50 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की है। इसमें एक दो-मंज़िला रिहायशी घर और 7 कनाल (38,115 वर्ग फुट) व 18 मरला (4,900 वर्ग फुट) ज़मीन शामिल है। उन्होंने बताया कि जांच से पता चला है कि यह संपत्ति नशीले पदार्थों और साइकोट्रोपिक पदार्थों की अवैध तस्करी से हुई कमाई से हासिल की गई थी। प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर में पुलिस ने दो ड्रग तस्करों की 1.50 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति ज़ब्त की है। बटामालू पुलिस स्टेशन ने सिकंदर फिरदौस के नाम पर श्रीनगर की नंदरेश कॉलोनी में स्थित 80 लाख रुपये कीमत का तीन मंज़िला रिहायशी मकान ज़ब्त किया है। उन्होंने कहा कि एक अन्य मामले में ख्रालखुड पुलिस स्टेशन ने अनंतनाग ज़िले के बिजबेहारा इलाके में गुलाम हसन भट के नाम पर 70 लाख रुपये कीमत का एक मंज़िला रिहायशी मकान ज़ब्त किया। ज़ब्त की गई संपत्ति की जानकारी आगे की कार्रवाई के लिए नई दिल्ली में सक्षम अधिकारी को सौंप दी गई है। प्रवक्ता ने कहा कि जांच से यह साबित हुआ है कि ज़ब्त की गई संपत्तियां गैर-कानूनी नशीले पदार्थों की तस्करी से हुई कमाई से बनाई गई थीं।

एनआईए ने अमृतसर में लश्कर के एक ऑपरेटिव की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, 16 जून। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को अमृतसर में एक मकान को कुर्क किया, जो कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक ऑपरेटिव से जुड़ा हुआ है। यह मामला एक अंतरराष्ट्रीय नार्को-आतंकवाद नेटवर्क से संबंधित है, जिसकी गतिविधियां कई देशों में फैली हुई हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कुर्क की गई संपत्ति अमृतसर स्थित होली सिटी, होली एन्क्लेव फेज-1 के मकान संख्या 33 के रूप में चिन्हित की गई है। एनआईए ने इसे आतंकवाद से अर्जित आय के रूप में कुर्क किया है। बयान में कहा गया है कि एनआईए की टीम ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति तथा स्थानीय प्रशासन की सहायता से यह कार्रवाई की। जांच एजेंसी के अनुसार यह संपत्ति आरोपी अंकुश कपूर के पिता के नाम पर दर्ज है। अंकुश कपूर भारत में सक्रिय उस नार्को-आतंकवाद नेटवर्क का एक प्रमुख ऑपरेटिव है, जिसका जाल इटली, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), पाकिस्तान तथा अन्य देशों तक फैला हुआ है। एनआईए की जांच में अंकुश कपूर के दुबई स्थित एक आरोपी से संबंध सामने आए हैं, जो पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है।

पिछले वर्ष गिरफ्तार किए गए अंकुश कपूर को मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन, भंडारण और वितरण से संबंधित साजिश का एक महत्वपूर्ण सदस्य पाया गया।

मुख्य सचिव ने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा की

श्रीनगर, 16 जून । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज केंद्र शासित प्रदेश में चल रहे प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में हुई प्रगति का आकलन करना और टीबी उन्मूलन की दिशा में प्रयासों में तेजी लाने के लिए एक रणनीति तैयार करना था।

बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा आयुक्त सचिव , राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक, जम्मू-कश्मीर मेडिकल स्कूल ऑफ मेडिकल काउंसिल के प्रबंध निदेशक, सरकारी मेडिकल कॉलेजों (जीएमसी) के प्रधानाचार्य, स्वास्थ्य सेवा निदेशक (कश्मीर/जम्मू) और केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित थे।

जिलावार प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने पाया कि कई जिलों ने उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किए हैं लेकिन कुछ महत्वपूर्ण संकेतकों में सुधार की काफी गुंजाइश है। उन्होंने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को उन जिलों में प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया जहां एक्स-रे स्क्रीनिंग, टीबी की विशिष्ट देखभाल, टीबी की रोकथाम के उपचार और पोषण संबंधी सहायता की कवरेज कम है।

उन्होंने चिन्हित उच्च जोखिम वाले गांवों में रहने वाली आबादी की स्क्रीनिंग में हासिल की गई कवरेज का विस्तार करने पर जोर दिया और जिला प्रशासन और स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निक्षय शिविरों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी अधिसूचित उच्च जोखिम वाले गांवों में व्यापक कवरेज सुनिश्चित करें। उन्होंने दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में हैंडहेल्ड एक्स-रे यूनिटों के अधिकतम उपयोग और व्यापक पहुंच पर जोर दिया।

निक्षय पोषण योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित लाभार्थी प्रमाणीकरण को पूरा करने और पात्र रोगियों को समय पर वित्तीय सहायता जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों को एक विशेष अभियान के माध्यम से निपटाया जाए ताकि कोई भी मरीज हकदार लाभ से वंचित न रहे।

मुख्य सचिव ने घरेलू संपर्कों और स्वास्थ्य कर्मियों के बीच टीबी निवारक उपचार कवरेज को बढ़ाने, विभेदित देखभाल प्रोटोकॉल को मजबूत करने, पोषण किट वितरण में सुधार करने और निक्षय मित्रों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी का विस्तार करने के लिए गहन प्रयास करने का भी आह्वान किया।

अमरनाथ यात्रा प्रबंधन के लिए 63 अधिकारी तैनात

जम्मू, 16 जून । अमरनाथ यात्रा से पहले जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रबंधन और तालमेल को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग विभागों से 63 अधिकारियों को तैनात किया है। इन अधिकारियों को यात्रा के रास्ते पर पड़ने वाले अलग-अलग बेस और ट्रांज़िट कैंपों में कैंप डायरेक्टर और एडिशनल कैंप डायरेक्टर के तौर पर ज़िम्मेदारियां सौंपी गई हैं।जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा और दूसरे विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में तय तारीखों पर रिपोर्ट करें, क्योंकि कैंप पोस्टिंग भी श्राइन बोर्ड ही तय करेगा।

संभागीय आयुक्त ने वार्षिक खीर भवानी मेला यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 16 जून। संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार ने 20 जून को जम्मू के नगरोटा से शुरू होने वाले वार्षिक खीर भवानी मेला यात्रा के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। संभागीय आयुक्त ने संबंधित विभागों द्वारा सुनिश्चित की जाने वाली व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की। जम्मू-कश्मीर रेलवे स्टेशन टैक्सपेयर को पर्याप्त संख्या में बसें उपलब्ध कराने और यात्रा के समन्वय का निर्देश दिया गया। संभागीय आयुक्त ने सभी विभागों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाएं, टेंट और परिवहन की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि श्रद्धालुओं की परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को घनिष्ठ समन्वय में काम करना चाहिए।उपायुक्त रामबन को लंगर सुविधा पर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया जहां तीर्थयात्रियों का काफिला गांदरबल के तुलमल्ला स्थित खीर भवानी मंदिर के रास्ते में ठहरेगा। बैठक के दौरान कई धार्मिक और सामुदायिक प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए और हर साल की जाने वाली मजबूत व्यवस्थाओं के लिए संतोष और आभार व्यक्त किया। यह जानकारी दी गई कि वार्षिक खीर भवानी मेला यात्रा के लिए लगभग 7,000 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है और वे 22 जून को आयोजित होने वाले मेले में भाग लेंगे। उपस्थित लोगों में जेपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक, जम्मू, रामबन और उधमपुर के उपायुक्त, राहत एवं पुनर्वास आयुक्त (प्रवासी) जम्मू-कश्मीर, एसएसपी जम्मू, एसएसपी सुरक्षा, एसएसपी यातायात, विभागों के प्रमुख, जेकेआरटीसी, पर्यटन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, संयुक्त सूचना निदेशक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, सामुदायिक नेता और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल थे।

2014 के बाद जम्मू-कश्मीर में 1.35 लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं से संपर्क व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलावः अजय टम्टा

जम्मू, 16 जून। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा है कि वर्ष 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर में सड़क एवं परिवहन अवसंरचना को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में संपर्क व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

उन्होंने कहा कि यह निवेश वर्ष 2014 से पहले की स्थिति से एक बड़ा बदलाव है, जब जम्मू-कश्मीर में राजमार्ग विकास कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, बार-बार होने वाले भूस्खलन और हर मौसम में सुगम संपर्क की कमी के कारण बाधित रहता था।

अजय टम्टा ने सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के श्रीनगर-जम्मू मार्ग का व्यापक निरीक्षण किया और प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया।

वर्ष 2014 के बाद हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सड़क और परिवहन अवसंरचना के क्षेत्र में **अभूतपूर्व परिवर्तन** देखने को मिला है।वर्ष 2014 के बाद हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सड़क और परिवहन अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है।

नौशेरा सेक्टर में एलओसी के पास लैंडमाइन धमाका, सेना के चार जवान घायल

राजौरी, 16 जून । जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में मंगलवार को लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पास हुए एक धमाके में सेना के चार जवान घायल हो गए, जिनमें एक जूनियर कमीशंड ऑफ़िसर भी है।

अधिकारियों के मुताबिक यह धमाका नौशेरा सेक्टर के अग्रिम कलाल इलाके में सेना के जवानों की ओर से एरिया डोमिनेशन पेट्रोल (इलाके में गश्त) के दौरान गलती से एक लैंडमाइन के सक्रिय हो जाने से हुआ। उन्होंने बताया कि धमाके में एक जूनियर कमीशन अफसर और तीन सैनिक घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि घुसपैठ-रोधी अभियान के तहत अग्रिम इलाकों में लैंडमाइन बिछाई जाती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं, जिससे ऐसे हादसे हो जाते हैं।

महिला सशक्तीकरण का डबल इंजन मॉडलः महिला सुरक्षा, सम्मान एवं अवसरों का वातावरण

केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों से बदली प्रदेश की तस्वीर, सुरक्षित बेटी, सशक्त महिला एवं आर्थिक सशक्तीकरण का मॉडल बना यूपी

***लखनऊ, 16 जून।** वर्ष 2014 में केंद्र में मोदी सरकार बनने और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद प्रदेश में विकास की नई धारा देखने को मिली। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ यदि किसी वर्ग को मिला है तो वह प्रदेश की महिलाएं हैं। केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित नीतियों ने महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा है। केंद्र की योजनाओं और राज्य सरकार के प्रभावी क्रियान्वयन ने लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है।

आज उत्तर प्रदेश में महिलाओं के लिए सुरक्षा, सम्मान और अवसरों का वातावरण पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत दिखाई देता है। उज्ज्वला योजना, मिशन शक्ति, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, कन्या सुमंगला योजना जैसी पहलों ने महिलाओं को न केवल सामाजिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया है।

महिला सशक्तीकरण की पहली शर्त सुरक्षा है, महिलाओं को सुरक्षित वातावरण नहीं मिलेगा तो शिक्षा, रोजगार और स्वावलंबन के अवसर भी सीमित रह जाएंगे। योगी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया, महिला हेल्पलाइन 1090 को मजबूत किया गया, महिला डेस्क की स्थापना की गई तथा मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता पैदा की गई। महिला सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस भर्ती में महिलाओं को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि प्रदेश में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़कर 44 हजार से अधिक हो गई, जबकि वर्ष 2017 तक यह संख्या लगभग 10 हजार के आसपास थी। महिला पुलिस बल में इस वृद्धि ने महिलाओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और संवेदनशील मामलों में बेहतर पुलिसिंग को सुनिश्चित किया है। आज प्रदेश के लगभग हर जिले में महिला बीट पुलिसिंग, पिंक पेट्रोलिंग और महिला हेल्प डेस्क जैसी व्यवस्थाएं महिलाओं में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा रहीं हैं।

'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' महिला सशक्तीकरण की सबसे प्रभावशाली योजनाओं में से एक मानी जाती है। उत्तर प्रदेश इस योजना का सबसे बड़ा लाभार्थी राज्य रहा है। प्रदेश में लगभग 1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। इस योजना ने महिलाओं को धुएं से होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाई है। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं लकड़ी, उपले और कोयले से खाना बनाती थीं, जिससे उन्हें आंखों और फेफड़ों की बीमारियों का सामना करना पड़ता था। उज्ज्वला योजना ने न केवल उनके स्वास्थ्य की रक्षा की बल्कि समय और श्रम की भी बचत की। आज लाखों महिलाएं गैस चूल्हे का उपयोग कर रही हैं, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है और उन्हें अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिल रहा है। योगी सरकार ने बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा तक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना शुरू की। इस योजना के अंतर्गत अब तक 27.37 लाख से अधिक बालिकाओं को लाभ दिया जा चुका है। योजना के तहत विभिन्न चरणों में कुल 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकना, बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाना है।

नोएडा एयरपोर्ट से जम्मू और नवी मुंबई के लिए भी उड़ानें शुरू

नोएडा, 16 जून । नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मंगलवार को दो नए शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू हो गईं। अकासा एयर ने नवी मुंबई और इंडिगो ने जम्मू के लिए उड़ानें शुरू कर दी हैं। एयरलाइंस ने केक काटकर पहली उड़ान की शुरुआत की।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अकासा नोएडा एयरपोर्ट से विमान शुरू करने वाली दूसरी एयरलाइंस है। अकासा एयर ने आज से नवी मुंबई और बेंगलुरु के लिए उड़ानें शुरू की हैं। एयरलाइंस की पहली उड़ान नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सुबह 7:25 बजे रवाना हुई और सुबह 9:35 बजे नोएडा एयरपोर्ट पहुंची। इसके बाद नोएडा एयरपोर्ट से अकासा की पहली उड़ान सुबह 10:15 बजे रवाना हुई और दोपहर 12:30 बजे नवी मुंबई पहुंची।

अकासा एयर की मुख्य शासन और रणनीतिक अधिग्रहण अधिकारी प्रिया मेहरा ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट से संचालन शुरू करना कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह नया एयरपोर्ट एनसीआर और आसपास के राज्यों के यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी के बड़े अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि अकासा एयर का आगमन यात्रियों और पूरे क्षेत्र के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्रियों को अधिक उड़ान के विकल्प मिलेंगे और उत्तर प्रदेश और उत्तरी भारत में आर्थिक विकास तथा बेहतर संपर्क को बढ़ावा मिलेगा।

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**
  गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।
- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**
  पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**
  थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।
- **यूरिक एसिड को कम करता है**
  उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।
- **मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए**
  मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्युनिटी है!

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती हैं। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चारेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियां या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

ह्रदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

आयुष विभाग के सहयोग से बच्चों को योग, मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक फिटनेस का दिया गया प्रशिक्षण

जम्मू, 16 जून (हि.स.)। नटरंग के चल रहे समर थिएटर वर्कशॉप में समग्र शिक्षा और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज बच्चों के लिए 'योगा फॉर वेल-बीइंग' विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र आयुष विभाग, जम्मू-कश्मीर के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य युवा रंगकर्मियों के बीच शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर पद्मश्री बलवंत ठाकुर, निदेशक नटरंग ने आयुष विभाग जम्मू-कश्मीर के निदेशक तथा सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल जम्मू की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुणा भट का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल को सफल बनाने में आयुष विभाग के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को योग के महत्व से परिचित कराने और रचनात्मक गतिविधियों के साथ स्वास्थ्य संबंधी अभ्यासों को जोड़ने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने बताया कि वर्ष 1990 से नटरंग अपने वार्षिक समर थिएटर वर्कशॉप के माध्यम से बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश का रचनात्मक उपयोग करने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस पहल ने वर्षों के दौरान हजारों बच्चों के व्यक्तित्व और करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्कशॉप के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अनुशासन, संवाद कौशल और टीम भावना का विकास किया जाता है। योग सत्र का संचालन आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण गुप्ता और योग प्रशिक्षक राजेश ने किया। उन्होंने बच्चों को विभिन्न योग अभ्यासों से परिचित कराया तथा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने रंगमंच और योग के संबंध को समझाते हुए बताया कि योग एकाग्रता, शारीरिक संतुलन, लचीलापन, श्वास नियंत्रण और मंचीय प्रस्तुति को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पठानकोट से 8.3 टन लीची देश के विभिन्न हिस्सों में भेजी गई – किसानों को मिला नया बाजार

जम्मू, 16 जून 2026।

उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल द्वारा पंजाब के पठानकोट से लीची की पार्सल लोडिंग सेवा को लगातार सफलता मिल रही है। ताजा पहल के तहत पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन से 8.3 टन लीची की सफल लोडिंग कर बांद्रा टर्मिनस, सूरत,सराहनपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों के लिए एसएलआर द्वारा भेजी जा चुकी हैं।

यह लीची सीजन के दौरान विभिन्न स्थानों के लिए

लोडिंग सेवा वर्तमान में जारी है और स्थानीय किसानों व व्यापारियों के लिए एक विश्वसनीय परिवहन माध्यम बन गई है। पार्सल वैन के माध्यम से ताजा फल कम समय में और सुरक्षित रूप से देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

*पार्सल लोडिंग सेवा से होने वाले लाभ पर बात करें, तो

1. तेज परिवहन रेल द्वारा लीची जैसे शीघ्र खराब होने वाले फल लगभग 24 घंटे में बाजार तक पहुंच रहे हैं, जिससे माल की गुणवत्ता बनी रहती है।

2. कम लागत– सड़क परिवहन की तुलना में रेल पार्सल सेवा किफायती है, जिससे किसानों का लाभ बढ़ रहा है।

3. व्यापक बाजार- पठानकोट की लीची अब बांद्रा टर्मिनस, सूरत, वलसाड, अहमदाबाद और सहारनपुर तक सीधे पहुंच रही है, जिससे किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं।

4. सुरक्षा एवं विश्वसनीयता- रेलवे की कोल्ड चेन और सुरक्षित हैंडलिंग से माल की क्षति न्यूनतम रहती है।

इस सफल लोडिंग पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने कहा, जम्मू मंडल कृषि उत्पादों के परिवहन को प्राथमिकता दे रहा है। पार्सल लोडिंग सेवा से न केवल किसानों की आय बढ़ रही है, बल्कि किसान रेल की अवधारणा भी साकार हो रही है। हम अधिक से अधिक किसानों से इस सेवा का लाभ उठाने की अपील करते हैं।

रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया कि लीची सीजन के दौरान पार्सल वैन और लोडिंग-अनलोडिंग की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इसुजु मोटर्स इंडिया ने देशभर में 'इसुजु आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैंप' की घोषणा की

जम्मू/श्रीनगर, 16 जून । ग्राहकों को बेहतर सेवा और उत्कृष्ट वाहन स्वामित्व अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इसुजु मोटर्स इंडिया देशभर में अपने इसुजु डी-मैक्स पिक-अप और एसयूवी वाहनों के लिए 'इसुजु आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैंप' आयोजित करने जा रही है। इस विशेष सर्विस कैंप का उद्देश्य मानसून के दौरान ग्राहकों को सुरक्षित, सुगम और परेशानी-मुक्त ड्राइविंग अनुभव उपलब्ध कराना है।

'इसुजु केयर' पहल के तहत यह प्री-मानसून सर्विस कैंप 18 जून से 24 जून 2026 तक देशभर के सभी अधिकृत इसुजु डीलर सर्विस केंद्रों, जिनमें बारामूला, जम्मू और लेह भी शामिल हैं, पर आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान ग्राहक अपने वाहनों के लिए कई आकर्षक लाभ और विशेष ऑफर्स का लाभ उठा सकेंगे। कैंप के अंतर्गत 37 बिंदुओं की निःशुल्क व्यापक वाहन जांच, लेबर चार्ज पर 10 प्रतिशत की छूट, पार्ट्स, लुब्रिकेंट्स और फ्लूइड्स पर 5 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अलावा ग्राहकों को रिटेल रोडसाइड असिस्टेंस (आरएसए), प्रोकेयर और एक्सटेंडेड वारंटी योजनाओं पर 20 प्रतिशत तक की छूट भी मिलेगी। सभी ऑफर्स निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन लागू होंगे।

जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू के असिस्टेंट प्रोफेसर सुनील सिंह बरहेयान ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

जम्मू, 16 जून (हि.स.)। जीजीएम साइंस कॉलेज जम्मू के रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर सुनील सिंह बरहेयान को पंजाब स्थित रिमट यूनिवर्सिटी द्वारा रसायन विज्ञान (केमिस्ट्री) विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान करने के लिए योग्य घोषित किया गया है। सुनील सिंह बरहेयान ने 5 जून को आयोजित अंतिम वाइवा-वोस परीक्षा में अपने शोध प्रबंध फिजिकोकेमिकल एनालिसिस एंड प्यूरिफिकेशन ऑफ ड्रिंकिंग वाटर फ्रॉम बाउलीज (नेचुरल स्प्रिंग्स) ऑफ डिस्ट्रिक्ट उधमपुर जम्मू एंड कश्मीर (यूटी) इंडिया का सफलतापूर्वक प्रतिरक्षण (डिफेंस) किया।

यह शोध कार्य डॉ. हरि सिंह और डॉ. सतीश कुमार के मार्गदर्शन में पूरा किया गया। शोध में उधमपुर जिले की प्राकृतिक जलधाराओं (बाउलियों) के पेयजल की भौतिक एवं रासायनिक गुणवत्ता का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के साथ-साथ उसके शुद्धिकरण के प्रभावी उपायों का अध्ययन किया गया है।

किसानों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को उठाया

जम्मू, 16 जून (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) किसान कांग्रेस के अध्यक्ष भारत प्रिय ने जम्मू जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात कर किसानों, ग्रामीण निवासियों, युवाओं और समाज के अन्य वर्गों से संबंधित समस्याओं और मांगों को सुना। प्रतिनिधिमंडलों ने भारत प्रिय को कृषि, सिंचाई, बिजली आपूर्ति, पेयजल, सड़क संपर्क, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों से अवगत कराया। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों ने लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा पात्र लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत करते हुए भारत प्रिय ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी जायज मांगों और समस्याओं को संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों और ग्रामीण समुदायों को आज भी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जिनके समाधान के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत प्रिय ने कहा कि कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों को मजबूत समर्थन प्रणाली उपलब्ध कराना समय की मांग है। उन्होंने सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरकों की समय पर उपलब्धता, फसल नुकसान पर उचित मुआवजा तथा कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन की आवश्यकता पर जोर दिया।

जनता को राहत–कठुआ में 14 नए रूट परमिट मंजूर, परिवहन व्यवस्था होगी मजबूत

कठुआ, 16 जून (हि.स.)। डीसी कठुआ एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने आरटीए की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और रूट परमिट से जुड़े मामलों की समीक्षा की।

बैठक में आरटीओ कठुआ सुरिंदर पाल शर्मा (सदस्य सचिव), डीएसपी मुख्यालय रविंदर सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न रूट परमिट आवेदनों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्राधिकरण ने 9 मिनी बस, 4 फोर-व्हीलर ऑटो और 1 टैक्सी कैब (ऑल जे एंड के कॉन्ट्रैक्ट कैरिज श्रेणी) के परमिट को मंजूरी दी। वहीं 5 आवेदनों (3 मिनी बस और 2 फोर-व्हीलर ऑटो) को अगली बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बैठक में आम लोगों की सुविधा के लिए सुचारु, सुलभ और व्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पलौड़ा में संस्कृत नेम प्लेट, पौधारोपण और नशा मुक्ति अभियान का आयोजन

जम्मू, 15 जून (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं स्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री के नेतृत्व में जम्मू नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र के पलौड़ा में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा संचालित नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान को जनसमर्थन प्रदान करना तथा संस्कृत भाषा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर रामा बिल्डर्स के प्रतिष्ठान पर संस्कृत भाषा में

नाम पट्टिका स्थापित की गई। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया, पौधारोपण किया गया तथा संस्कृत में प्रेरणादायक स्लोगन प्रदर्शित किए गए।

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION KISHTWAR

सत्यमेव जयते

SHORT NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No. 13 of 2026-27 Dated: 13-06-2026

For and on behalf of the Lt. Governor, UT J&K, e-tenders are invited onPercentage Basis from approved and eligible Contractors registered with J&K Govt. CPWD, Railways and otherState/CentralGovernments for the followingworks:

S. No.	Name of Work	Adv.Cost (Rs. InLacs)	Cost of T/Doc. (In Rupees)	Earnest Money @2% of Advertised Cost (In Rupees)	Time of Completion	Class ofContractor
1	2	3	4	5	6	7
1	Permanent Restoration on HSDJi link road by way of Constt. of R/wall 6 mtr. in Km 8th RD (400-475) and repair renovation cross drainage at Km 1st RD to Km 8th RD, Km 1st RD (825) to (850)& Km 3rd RD (925-950) Km 4th RD (175-225) Km 6th RD (325-350).	48.28	600.00	96,560/-	45 Days	"A,B"

Position of AAA = Submitted
Position of Technical Sanction = Under Process

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen / downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.in as per below schedule

1 Date of Issue of Tender Notice	**13-06-2026**
2 Period of downloading of bidding documents	**From 13-06-2026 to 23-06-2026, 1600 Hrs.**
3 Date, Time and place of pre-bid meeting.	**16-06-2026**
4 Bid submission Start Date	**13-06-2026 from 1600 Hrs.**
5 Bid Submission End Date	**23-06-2026 upto 1600 Hrs.**
6 Date & time of opening of Technical Bids (Online)	**24-06-2026 on or after 1200 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Kishtwar.**
7 Date & time of opening of Financial Bids (Online)	**To be notified after technical bid evaluation is completed.**

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, Name of work Or e-NIT No. with S.No. of the work for which tender fee was deposited duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division Kishtwar uploading a copy of Treasury Challan and EMD in the shape of CDR/FDR (The date of Treasury Challan & Affidavit (on correctness of information) between date of start of bid submission and bid submission end date) duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division Kishtwaras mentioned in the bid documents. The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of Treasury Challan.
2. Theelectronicbiddingsystemwouldnotallowanylatesubmissionofbidsafter due date and time as per servertime. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not make any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re-submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification/withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequential- submission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the re-submission of the bid is not allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.in and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of Responsive bidders shall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Kishtwar. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The bidder shall be disqualified from bidding for any contract with this office for a period of 03 Years from the date of notification, If :
a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.
b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.
6. Instruction to bidders regarding e-tendering process.
6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the "Downloads" option as well as from "Bidders Manual Kit" on website www.jktenders.gov.into acquaint bid submission process.
6.2. To participate in bidding process, bidders have to get 'Digital Signature Certificate (DSC)' as per Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from any approved vendors.
6.3.The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financial bid will be accepted in physical form.
6.4.Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.
6.5.Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD with technical bid online.

Note:-The rate of key materials shall be paid as per actual distance involve dully certified concerned AEE should be given as per the availability of material from source to site
No. e-tenders/Kishtwar/209-221 Dated: 13-06-2026

DIP/J-3815/26
Dtd: 16-6-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Kishtwar

जीएमसी कठुआ में मेडिकल शिक्षा सुधार पर मंथन

कठुआ, 16 जून (हि.स.)। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कठुआ में मेडिकल एजुकेशन यूनिट एवं करिकुलम कमेटी की बैठक प्रिंसिपल डॉ. सुरिंदर कुमार अत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों और पाठ्यक्रम सुधारों की समीक्षा करते हुए क्षमता-आधारित चिकित्सा शिक्षा, मूल्यांकन प्रणाली, उपस्थिति निगरानी, स्किल लैब संचालन और फैकल्टी डेवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। समिति ने केस-आधारित अध्ययन, क्लिनिकल प्रशिक्षण, समय पर रिमेडियल कक्षाएं और छात्रों की नियमित आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही अक्टूबर 2026 में फैकल्टी के लिए बीसीएमई कार्यक्रम और समय-समय पर मेडिकल एजुकेशन टेक्नोलॉजी वर्कशॉप आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के अंत में मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के संकल्प के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ डीएसटीई/जेएटी निविदा सूचना संख्या **433_Sig_JAT_39_25-26** समापन तिथि/समय 02.07.2026 15:00 बजे के विरूद्ध https://www.ireps.gov.in पर ई–निविदांए आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरूद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है, और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है। डिमांड डाफट बैंकर चैक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है। एनआईटी हेडर

अनुबंध प्रकार	कार्य		
कार्य का नाम	जम्मू डिवीजन के लिए सेक्शनल सिग्नल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट		
निविदा समापन तिथि समय	02.07.2026 15:00	**निविदा अपलोड करने की तिथि समय**	10.06.2026 12:31
विज्ञापित मूल्य (रु.)	9993579.13	**आईआरईपीएस के अनुसार बोली शुरू करने की तिथि**	18.06.2026
ब्याना राशि (रु.)	199900.00	**पूरा होने की अवधि**	12 महीने

निविदा सूचना सं0 433_Sig_JAT_39_25-26 दिनांक: 10.06.2026 **1992/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

श्री अमरनाथ यात्रा 2026–सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश, एसएसपी कठुआ ने की हाई लेवल बैठक

कठुआ, 16 जून (हि.स.)। श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा के लिए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने डीपीएल कठुआ में संयुक्त सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में पुलिस, सीएपीएफ, ट्रैफिक, खुफिया एजेंसियों व अन्य विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था निगरानी काफिला प्रबंधन क्यूआरटी तैनाती और आपातकालीन योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने अधिकारियों को अधिकतम सतर्कता, सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल और श्रद्धालुओं के प्रति सहयोगपूर्ण व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए।

साथ ही लंगरों ठहराव स्थलों और यात्रा मार्ग पर कड़ी निगरानी रखने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया।

सीमा क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे ट्रैक पर 24 घंटे निगरानी, ड्रोन सर्विलांस, डॉग स्क्वॉड, एक्स-रे मशीनों की तैनाती और सीसीटीवी मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

एसएसपी ने सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए यात्रा को सुरक्षित सुचारु और सफल बनाने के लिए पूरी मुस्तैदी से काम करने को कहा।

संपादकीय

स्व-दवा सेवन खतरनाक है

बिना किसी योग्य चिकित्सक या अधिकृत चिकित्सा विशेषज्ञ की सलाह लिए दवाइयों का सेवन करना स्व-दवा सेवन (सेल्फ मेडिकेशन) कहलाता है। यह एक आम प्रवृति बन चुकी है कि लोग बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, सिरदर्द जैसी सामान्य बीमारियों के लिए डॉक्टर से परामर्श लेने के बजाय स्वयं दवा खरीद लेते हैं या फिर केमिस्ट की सलाह पर दवाएं ले लेते हैं, जबकि केमिस्ट को दवा लिखने का अधिकार नहीं होता। यह आदत खतरनाक साबित हो सकती है और गंभीर दुष्प्रभावों का कारण बन सकती है।

कई बार व्यक्ति गलत दवा, गलत मात्रा में दवा या ऐसी दवा का सेवन कर लेता है जो उसकी स्वास्थ्य स्थिति के लिए उपयुक्त नहीं होती। इसी कारण सरकार ने कई दवाओं को केवल डॉक्टर के पर्चे पर बेचने की व्यवस्था लागू की है, ताकि उनके दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी संदर्भ में अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नियमों में संशोधन कर खांसी की सिरप सहित विभिन्न सिरपों की बिक्री बिना डॉक्टर के पर्चे के प्रतिबंधित कर दी है। इस कदम का उद्देश्य सिरप आधारित दवाओं, विशेषकर कफ सिरप, को अधिक सख्त नियामक निगरानी के दायरे में लाना है।

यह एक आवश्यक और सराहनीय कदम है, जो उन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा जो अक्सर इस गंभीर विषय को हल्के में लेते हैं और अपनी मर्जी से दवाइयों का सेवन करते हैं।

अनुसूची-के (शेड्यूल-के) के अंतर्गत उन दवाओं की श्रेणियां निर्धारित की गई हैं जिन्हें औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम तथा नियमों के तहत निर्माण, बिक्री और वितरण से संबंधित कुछ प्रावधानों में निर्धारित शर्तों के अधीन छूट दी जाती है।

यह निर्णय पिछले वर्ष दिसंबर में केंद्र सरकार द्वारा जारी उस मसौदा अधिसूचना के बाद लिया गया है, जिसमें संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं।

दवाओं के दुरुपयोग को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इसी प्रकार के नियम अन्य दवाओं पर भी लागू किए जाएं। लोगों को किसी भी दवा का सेवन करने से पहले हमेशा किसी अधिकृत चिकित्सक या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। इससे न केवल सुरक्षित और प्रभावी उपचार सुनिश्चित होता है, बल्कि अनावश्यक स्वास्थ्य जोखिमों से भी बचाव होता है।

सिरपों की बिक्री पर लिया गया यह निर्णय हाल के वर्षों में कफ सिरप और अन्य तरल मौखिक दवाओं की बढ़ती निगरानी की पृष्ठभूमि में आया है। कई देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, में दूषित दवाओं से बच्चों की मौत की घटनाओं ने इस विषय को गंभीर चिंता का विषय बना दिया है।

अब समय आ गया है कि सरकार दवाओं की अनधिकृत बिक्री के खिलाफ और अधिक कड़े कानून लागू करे, क्योंकि स्व-दवा सेवन अनेक मामलों में जोखिमपूर्ण साबित हो रहा है। आम लोग यह तय नहीं कर सकते कि कौन-सी दवा उनके लिए उपयुक्त है और कौन-सी नहीं।

इस समस्या का सबसे सरल और प्रभावी समाधान केवल एक है—दवाइयां हमेशा डॉक्टर की सलाह पर ही लें। इससे स्वास्थ्य सुरक्षित रहेगा और दवाओं के दुरुपयोग पर भी प्रभावी रोक लग सकेगी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस- शांति, स्वास्थ्य और एकता का वैश्विक महामंत्र

-ओ.पी. पाल

माना गया है। उन्होंने ही सबसे पहले हिमालय पर कांति सरोवर के तट पर अपने सात शिष्यों (सप्तऋषियों) को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। यही ज्ञान बाद में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैला। वेदों (विशेषकर ऋग्वेद) और उपनिषदों में योग का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि कर्मों में कुशलता ही योग है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत कीयुज धातु से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना, एकत्र होना या मिलना। आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जबकि व्यावहारिक स्तर पर यह शरीर, मन और चेतना के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने की कला है। यानी शरीर, मन और चेतना का पूर्ण संतुलन योग के माध्यम से ही है।

दुनिया भर में मानव सभ्यता ने 21वीं सदी में जहां तकनीकी और वैज्ञानिक मोर्चे पर अभूतपूर्व प्रगति की है, वहीं मानसिक तनाव, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां और आंतरिक अशांति जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया है। भौतिकता की अंधी दौड़ में हांफती हुई मानवता को जब एक ऐसे संबल की तलाश थी जो बिना किसी कृत्रिम साधन के शरीर, मन और आत्मा को एकाकार कर सके, तब भारत ने दुनिया को योग का शाश्वत उपहार दिया।

प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल कैलेंडर आयोजन नहीं बल्कि यह समूची मानवता को आरोग्य, शांति और एकात्मता के सूत्र में पिरोने का एक वैश्विक महाअभियान है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) के इतिहास में सबसे तेजी से स्वीकृत होने वाले इस प्रस्ताव की पृष्ठभूमि, इसके पीछे का दर्शन, वैज्ञानिक आधार और वैश्विक यात्रा बेहद गौरवमयी रही है। 21 जून का दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हमारी भाषाएं, पहनावे, देश और संस्कृतियां अलग हों लेकिन हमारी सांसें और आंतरिक चेतना एक ही हैं। योग की यह वैश्विक लहर पूरी मानवता को विनाश से विकास की ओर, अवसाद से आनंद की ओर और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का सशक्त राजमार्ग बन चुकी है। यह आधुनिक युग का सबसे बड़ा जन-आंदोलन है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक संवेदनशील, स्वस्थ और जागरूक बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की कूटनीतिक विजय

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक मान्यता दिलाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और भारत की मजबूत सांस्कृतिक कूटनीति को जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार दुनिया के सामने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वैश्विक नेताओं के सामने योग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मन और शरीर, विचार और कर्म, संयम और पूर्ति की एकात्मकता का प्रतीक है। यह मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाला है। यह केवल व्यायाम नहीं है बल्कि अपने आप में, दुनिया और प्रकृति के साथ एकात्मता की भावना को खोजने का माध्यम है। जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी यह हमारी जीवनशैली को बदल कर चेतना जागृत कर सकता है।

भारत द्वारा रखे गए इससे संबंधित प्रस्ताव का दुनिया के देशों ने अभूतपूर्व स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के तत्कालीन स्थायी प्रतिनिधि ने प्रस्ताव संख्या 69/131 पेश की। इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 175 देशों का सह-प्रायोजन प्राप्त हुआ। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में आज तक किसी भी सामान्य सभा के प्रस्ताव को इतने बड़े पैमाने पर देशों का समर्थन नहीं मिला था। बिना किसी मतदान के, सर्वसिद्ध रूप से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया और घोषणा की गई कि हर साल 21 जूनअंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में महज 75 दिनों का समय लगा, जो संयुक्त राष्ट्र में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस लगातार 12वें साल में प्रवेश कर चुका है।

आदिगुरु से आधुनिक युग तक

योग का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। भारतीय सनातन परंपरा में भगवान शिव कोआदिगुरु याआदियोगी

माना गया है। उन्होंने ही सबसे पहले हिमालय पर कांति सरोवर के तट पर अपने सात शिष्यों (सप्तऋषियों) को योग का गूढ़ ज्ञान दिया था। यही ज्ञान बाद में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैला। वेदों (विशेषकर ऋग्वेद) और उपनिषदों में योग का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है कि कर्मों में कुशलता ही योग है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत कीयुज धातु से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना, एकत्र होना या मिलना। आध्यात्मिक स्तर पर इसका अर्थ जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है, जबकि व्यावहारिक स्तर पर यह शरीर, मन और चेतना के बीच पूर्ण सामंजस्य स्थापित करने की कला है। यानी शरीर, मन और चेतना का पूर्ण संतुलन योग के माध्यम से ही है।

तिथि चयन के पीछे वैज्ञानिक और भौगोलिक कारण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून की तारीख का चयन कोई संयोग नहीं बल्कि इसके पीछे गहरा भौगोलिक और आध्यात्मिक महत्व है। ग्रीष्म संक्रांति जून उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक रहती हैं। इसेग्रीष्म संक्रांति कहा जाता है। भारतीय खगोल विज्ञान और अध्यात्म के अनुसार, 21 जून के बाद सूर्य दक्षिणायन की ओर बढ़ने लगता है। दक्षिणायन के समय को आध्यात्मिक साधनाओं और आत्म-निरीक्षण के लिए बेहद अनुकूल माना जाता है। इसकी पृष्ठभूमि में यह भी मान्यता है कि ग्रीष्म संक्रांति के बाद आने वाले पहले चक्र (पूर्णिमा) पर ही आदिगुरु शिव ने सप्तऋषियों को योग की दीक्षा दी थी, जिसेगुरु पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं, जिस प्रकार 21 जून का दिन साल का सबसे लंबा दिन होता है और सूर्य की ऊर्जा चरम पर होती है, उसी प्रकार योग भी मनुष्य को दीर्घायु और असीमित ऊर्जा प्रदान करता है।

वैश्विक और कूटनीतिक प्रभाव

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को एकविश्व गुरु औरवैश्विक कल्याणकर्ता के रूप में स्थापित किया है। योग ने भौगोलिक सीमाओं, धर्मों, जातियों और राजनीतिक विचारधाराओं की दीवारों को तोड़ दिया है। आज अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस से लेकर एफिल टॉवर (पेरिस) और चीन की महान दीवार तक, हर जगह योग दिवस पर योगाभ्यास की तस्वीरें देखी जाती है। वैश्विक स्तर पर योग के प्रसार से भारत में वैलनेस टूरिम का तेजी से विकास हुआ है। ऋषिकेश, मैसूर और केरल जैसे क्षेत्र वैश्विक योग हब बन चुके हैं। योग मैट, परिधानों और ऑर्गेनिक उत्पादों का वैश्विक बाजार अरबों डॉलर का हो चुका है।

चुनौतियां और भविष्य की राह

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने योग को जन-आंदोलन बना दिया है लेकिन अभी भी कुछ चुनौतियां हैं। वैश्विक स्तर पर योग के कई विकृत रूप जैसेहॉट योग,बीयर योग आदि सामने आए हैं। योग के मूल आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप को बचाए रखना बड़ी चुनौती है। कई लोग योग को केवल 21 जून के एक दिन का उत्सव मान लेते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इसेकैलेंडर इवेंट से निकाल कर दिनचर्या में शामिल किया जाए। भविष्य में योग को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम, कॉर्पोरेट कार्य संस्कृति और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण हो सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार)

राजमाता जीजाबाई- जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में योगदान

-गिरीश जोशी

लखूजी जाधवराव तत्कालीन दक्कन के प्रमुख मराठा सरदारों में गिने जाते थे उनके यहाँ जीजाबाई का जन्म लगभग 1598 ई. में सिंदखेड़ में हुआ था। । 17वीं शताब्दी का दक्कन राजनीतिक अस्थिरता से भरा हुआ था। मुगल साम्राज्य दक्षिण की ओर विस्तार कर रहा था। लखुजी, निजामशाह के विश्वसनीय सरदार थे। जीजाबाई का विवाह शाहजी राजे के साथ हुआ । सन 1629 में निजामशाह ने राजद्रोह के संदेह में लखुजी जाधवराव के साथ उनके तीन पुत्र अचलोजी, रघुजी और यशवंत राव चारों की हत्या कर दी। इस घटना से पूरा हिंदुस्तान दहल उठा। इस घटना से शाहजी राजे भी अत्यंत उद्वेलित हुए और निजामशाह की सेवा छोड़कर विद्रोही हो गए।

जीजाबाई ने अपने जीवन में सत्ता संघर्ष, विश्वासघात, युद्ध और पारिवारिक त्रासदियों को निकट से देखा। उनके पिता लखूजी जाधव की हत्या ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। इसी अनुभव ने उनमें स्वतंत्र राज्य की आवश्यकता का भाव अधिक प्रबल किया। उस परिस्थिति में जब स्वराज स्थापित करने का विचार भी किसी के मन में नहीं उठता था तब शाहजी राजे और जिजामाता ने स्वराज का स्वप्न देखा। इस स्वराज के निर्माण के लिए अपना जीवन दाँव पर लगा कर प्रयत्न भी किया। मालोजीराजे के समय से ही पुणे की जागीर उनके पास थी।

शाहजी राजे की बड़ी-बड़ी हवेलिया पुणे में थी। शाहजी राजे ने पुणे और उसके आसपास का परिसर तेजी से अपने आधिपत्य में लेकर इस क्षेत्र को स्वतंत्र कर लिया। लेकिन शाहजी राजे का ये विद्रोह अधिक समय तक टिक न सका। आदिलशाह ने शाहजी राजे की बड़ी हवेलियाँ जलाकर राख कर दी और उनके अनेक लोगों का वध कर पुणे को वीरान कर दिया। शाहजी राजे का स्वराज के निर्माण हेतु किया गया प्रथम प्रयास असफल रहा।

जब लखुजी जाधवराव की हत्या हुई थी, तब गर्भवती जीजाबाई, शाहजी राजे के साथ थी। इस अनिश्चितता के काल में जीजाबाई को इस अवस्था सुरक्षित रखना शाहजी राजे के सामने बड़ी चुनौती थी। शाहजी राजे ने अनुकूलता देख कर जीजामाता को शिवनेरी के किले में रखा। यहाँ जीजाबाई ने एक पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम रखा गया शिवाजी।

पुणे जागीर का पुनर्निर्माण

जब शाहाजी दक्षिण में व्यस्त थे, तब जीजाबाई ने पुणे क्षेत्र की जागीर का प्रबंधन संभाला। उन्होंने पुणे में लाल महल के निर्माण का मार्गदर्शन किया। इसी लाल महल में शिवाजी का बाल्यकाल बीता और स्वराज्य की प्रारंभिक योजनाएँ बनीं। उनके प्रशासनिक कौशल के कारण युद्धों से उजड़े क्षेत्र में पुनः कृषि, ग्राम व्यवस्था और राजस्व प्रणाली को सुदृढ़ किया गया।

शिवाजी महाराज के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका

इस माँ के दो पुत्र थे, एक को दुश्मन ने धोखे से मार दिया था और अब एक ही बेटा उसके पास था। जिस माँ ने अपने परिजनों का अलगाव सहन किया हो, अपने पिता, भाइयों और पुत्र की हत्या होते हुए देखी हो, वो माँ अपने बेटे की सुरक्षा के लिए कितनी चिंतित होगी इसकी कल्पना की जा सकती है। लेकिन उस माँ ने अपने एकमात्र बेटे को भी देश के लिए, धर्म के लिए, अपनी संस्कृति के लिए की रक्षा के लिए तैयार करने का प्रण लिया।

इतिहास में जीजाबाई का सबसे बड़ा योगदान छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र निर्माण में माना जाता है। उन्होंने बालक शिवाजी को बचपन से संस्कारित करने के लिए रामायण और महाभारत की कथाएँ सुनाईं। धर्म, न्याय और प्रजा-कल्याण के आदर्श सिखाए। विदेशी और अत्याचारी शासन के प्रति प्रतिरोध की भावना जगाई। स्त्रियों के सम्मान और धार्मिक सहिष्णुता का संस्कार दिया और स्वराज्य के स्वप्न से प्रेरित किया। यह मान्यता है कि 卐शिवाजी के भीतर का स्वराज्य पहले जीजाऊ के मन में जन्मा था।

हिंदवी स्वराज्य की प्रेरणा

इतिहासकारों के अनुसार हिंदवी स्वराज्य की अवधारणा के पीछे जीजाबाई की प्रेरणा अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उन्होंने शिवाजीराजे को केवल सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं बल्कि प्रजा की रक्षा, धर्म और संस्कृति के संरक्षण, न्यायपूर्ण शासन तथा स्वाभिमानी राज्य निर्माण के लिए प्रेरित किया। इसलिए कई इतिहासकार उन्हें हिंदवी स्वराज्य की आध्यात्मिक जननी भी कहते हैं। हर माँ को अपनी संतान की चिंता होना स्वाभाविक है लेकिन उस चिंता के चलते भी देश को पहले रखने का काम जब कोई पन्नाधाय और जीजा माता जैसी माता करती है तब उस देश का इतिहास गढ़ता है।

राजमाता जीजाबाई भारतीय इतिहास की उन महान महिलाओं में से हैं जिन्होंने केवल एक पुत्र का पालन-पोषण नहीं किया बल्कि एक युगपुरुष का निर्माण किया। मराठा इतिहास में उनका स्थान केवल शिवाजी महाराज की माता के रूप में नहीं बल्कि हिंदवी स्वराज्य की प्रथम प्रेरक, राष्ट्रचेतना की संवाहिका तथा आदर्श प्रशासिका के रूप में है। उन्होंने शिवाजी राजे को धर्मपालन, नैतिक शासन, न्याय और लोक कल्याण के भाव को केंद्र में रख कर योजना और नीतियाँ बनाने का शिक्षण और संस्कार दिये।

6 जून 1674 को छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक संपन्न हुआ। यह वह क्षण था जिसका स्वप्न जीजाबाई ने दशकों तक देखा था। राज्याभिषेक के कुछ ही दिनों बाद 17 जून 1674 को उनका निधन हो गया। ऐसा माना जाता है कि स्वराज्य को विधिवत स्थापित होते देखने के बाद उनका जीवन ध्येय पूर्ण हो चुका था। जीजाबाई का महत्व तीन स्तरों पर समझा जा सकता है-

1. राष्ट्रनिर्माता माता- उन्होंने एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण किया जिसने भारतीय इतिहास की दिशा बदल दी।

2. कुशल मार्गदर्शक- वे केवल माता नहीं स्वराज्य आंदोलन की वैचारिक प्रेरक भी थीं।

3. आदर्श प्रशासिका- पुणे जागीर के संचालन में उनकी प्रशासनिक दक्षता स्पष्ट दिखाई देती है।

राजमाता जीजाबाई का जीवन भारतीय इतिहास में मातृत्व, राष्ट्रचेतना, नेतृत्व और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का अद्वितीय उदाहरण है। यदि शिवाजी महाराज हिंदवी स्वराज्य के निर्माता थे, तो जीजाबाई उस स्वराज्य की प्रथम प्रेरणा, वैचारिक आधारशिला और नैतिक शक्ति थीं। मराठा इतिहास में उनका स्थान केवल 卐शिवाजी की माता卐 तक सीमित नहीं है वे स्वयं एक युगनिर्माता व्यक्तित्व हैं।

जो माता अपने बच्चों को हमेशा एक सुरक्षा की खोल में रखती है, उसे परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार नहीं करती। उस माँ के बच्चे अपने जीवन में किसी मुकाम को हासिल नहीं कर पाते, जरा से संकट या थोड़ी-सी विपरीत परिस्थिति आने के बाद वे विचलित हो जाते हैं ओर गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं।

माँ को यह चाहिए होता है कि वह अपने बच्चों के जीवन की चिंता जरूर करें लेकिन उसके साथ उसे अच्छे संस्कार देकर अपने जीवन में किसी बड़े उद्देश्य के लिए जीना सिखाए, बड़ा लक्ष्य उसके सामने रखें और रास्ता हमेशा नैतिकता का हो ये बेहद जरूरी होता है। हर बच्चे के भीतर एक उज्जवल संभावना का बीज छिपा होता है। माँ की यह भूमिका होती है कि वो उस बीज को पहचाने और फिर अपने बच्चों को ऐसा वातावरण दे जिससे वह अच्छी तरह अंकुरित हो सके, पुष्पित पल्लवित होकर वट वृक्ष जैसा विशाल आकर लेकर अपने घर-परिवार के साथ समाज, देश और दुनिया के लिए अच्छा काम कर सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लापता हुए मौसम की तलाश

-प्रमोद भार्गव

मानसून के अचानक लापता होने से मौसम विभाग की पूर्व में की गई भविष्यवाणी गड़बड़ा गई है। अब उपग्रह से ली गई तस्वीरों से दक्षिण-पश्चिम मानसून के बादल दिखाई नहीं दे रहे हैं। वहीं, दक्षिण और मध्य भारत के कई भूभागों तक मानसून की दस्तक के बावजूद देश के बड़े भू-भाग पर बारिश में भारी गिरावट दर्ज की गई है। दरअसल प्रशांत महासागर में तेजी से बन रही अलनीनो की परिस्थितियां आने वाले 8-10 दिनों में वैश्विक जलवायु और मौसम चक्र को प्रभावित कर सकती हैं।

मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि यह इतिहास के 140 वर्ष में अब तक के सबसे खतरनाक और बड़े अलनीनो में से एक हो सकता है। स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क में मौसम और पर्यावरण विज्ञान के प्राध्यापक पाल राउंडी कहते हैं कि यह सबसे खतरनाक और सबसे ताकतवर अलनीनो हो सकता है। अलनीनो का यह मिजाज पहले से दुनिया में तप रही धरती की आग में घी डालने का काम करेगा। अनुमान लगाए जा रहे है कि सर्दियों तक अलनीनो का मिजाज बिगड़ा रहेगा। इस कारण आशंका है कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सूखा पड़ेगा, बाढ़ आएगी या भीषण गर्मी झेलनी पड़ेगी। यहां तक कि इससे कई देशों में खाने-पीने के सामान और पानी का संकट पैदा होगा।

इस अलनीनो के असर का अनुमान भारतीय मौसम विभाग पहले ही लगा चुका है। इसलिए मौसम विज्ञानी एम रविचंद्रन का कहना है कि प्रशांत महासागर की परिस्थितियों को देखते हुए इसका सीधा असर मानसूनी बारिश पर पड़ेगा। इसके चलते कुछ इलाकों में सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। क्योंकि अभी तक 64 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। अतएव मौसम विभाग पहले ही घोषित कर चुका है कि इस बार 11 वर्षों में सबसे कम बारिश हो सकती है। इसका सीधा असर देश की कृषि व्यवस्था पर पड़ेगा।

1988 से भारतीय मौसम विभाग मानसून के पूर्वानुमान लगा रहा है। 1988 से 2025 तक 38 वर्ष के अनुमानों में विभाग की भविष्यवाणी 50 प्रतिशत के करीब सटीक रही हैं। इस बार विभाग के विज्ञानियों ने 26 मई को केरल में मानसून आ जाने का अनुमान लगाया था, जो नहीं आया। बाद में 4 जून से मानसून की आहट आने की बात कही गई लेकिन मानसून लापता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मौसम में जो बादल पानी बरसाते हैं, उनकी सघनता धीरे-धीरे घट रही है। इससे आशय यह निकलता है कि देश में मानसून में बारिश का प्रतिशत लगातार घट रहा है। दरअसल जो बादल पानी बरसाते हैं, वे आसमान में छह से साढ़े छह हजार फीट की ऊंचाई पर होते हैं। 50 साल पहले ये बादल घने भी होते थे और मोटे भी होते थे। परंतु अब साल-दर-साल इनकी मोटाई और सघनता कम होती जा रही है। यह अध्ययन सही है।

दरअसल महाकवि कालिदास द्वारा रचित महाकाव्य 'मेघदूत' दो खंडों में विभाजित प्रणय काव्य है। पूर्वमेघ और उत्तरमेघ, जो संस्कृत में लिखे गए हैं। इनमें सांसारिक प्रेम का अद्भुत वर्णन है। किंतु इनमें महाकवि ने अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति जिन प्रतीकों से दी है, वे मेघ यानी बादल और बारिश से जुड़े हैं। इनका आशय है कि धरती पर जितने घने वन होंगे, आसमान में उतने ही घने और काले बादल छाकर बरसेंगे। कालिदास वैज्ञानिक नहीं बल्कि संत कवि थे, लेकिन इस तथ्य का खंडन कोई वैज्ञानिक नहीं करता।

इस अध्ययन से देश के नीति-नियंताओं को चेतने की जरूरत है क्योंकि हमारी खेती-किसानी और 70 फीसदी आबादी की रोजी-रोटी मानसून की बरसात से ही चलती है और देश की समूची आबादी को अनाज, दालें और तिलहन उपलब्ध कराती है। देश के ज्यादातर व्यवसाय भी कृषि आधारित हैं। देश की 2025-26 की जीडीपी में कृषि का योगदान 16.2 प्रतिशत रहा है, जबकि 2023-24 में यह 18.2 फीसदी था। फिर भी किसान आर्थिक असुरक्षा की चपेट में है। प्रत्येक साल अप्रैल-मई में मानसून आ जाने की अटकलों का दौर शुरू हो जाता है। यदि औसत मानसून आये तो देश में हरियाली और समृद्धि की संभावना बढ़ती है और औसत से कम आये तो पपड़ाई धरती और अकाल की क्रूर परछाइयां देखने में आती हैं।

मौसम मापक यंत्रों की गणना के अनुसार यदि 90 प्रतिशत से कम बारिश होती है तो उसे कमजोर मानसून कहा जाता है। 90-96 फीसदी बारिश इस दायरे में आती है। 96-104 फीसदी बारिश को सामान्य मानसून कहा जाता है। यदि बारिश 104-110 फीसदी होती है तो इसे सामान्य से अच्छा मानसून कहा जाता है। 110 प्रतिशत से ज्यादा बारिश होती है तो इसे अधिकतम मानसून कहा जाता है। फिर भी बीते 37 साल में हुई बारिश के आंकड़े बताते हैं कि बादलों के बरसने की क्षमता घट रही है। ऐसा जंगलों के घटते जाने के कारण हो रहा है।

मौसम वैज्ञानिकों की बात मानें तो जब उत्तर-पश्चिमी भारत में मई-जून तपता है और भीषण गर्मी पड़ती है तब कम दाव का क्षेत्र बनता है। इस कम दाव वाले क्षेत्र की ओर दक्षिणी गोलार्ध से भूमध्य रेखा के निकट से हवाएं दौड़ती हैं। दूसरी तरफ धरती की परिक्रमा सूरज के इर्द-गिर्द अपनी धुरी पर जारी रहती है। निरंतर चक्कर लगाने की इस प्रक्रिया से हवाओं में मंथन होता है और उन्हें नई दिशा मिलती है। इस तरह दक्षिणी गोलार्ध से आ रही दक्षिणी-पूर्वी हवाएं भूमध्य रेखा को पार करते ही पलट कर कम दबाव वाले क्षेत्र की ओर गतिमान हो जाती हैं। ये हवाएं भारत में प्रवेश करने के बाद हिमालय से टकराकर दो हिस्सों में विभाजित होती हैं। इनमें से एक हिस्सा अरब सागर की ओर से केरल के तट में प्रवेश करता है और दूसरा बंगाल की खाड़ी की ओर से प्रवेश कर उड़ीसा, पश्चिम-बंगाल, बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर-प्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश हरियाणा और पंजाब तक बरसती हैं।

अरब सागर से दक्षिण भारत में प्रवेश करने वाली हवाएं आन्ध्र-प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बरसती हैं। इन मानसूनी हवाओं पर भूमध्य और कश्यप सागर के ऊपर बहने वाली हवाओं के मिजाज का प्रभाव भी पड़ता है। प्रशांत महासागर के ऊपर प्रवाहमान हवाएं भी हमारे मानसून पर असर डालती हैं।

वायुमण्डल के इन क्षेत्रों में जब विपरीत परिस्थिति निर्मित होती हैं तो मानसून के रुख में परिवर्तन होता है और वह कम या ज्यादा बरसात के रूप में धरती पर गिरता है।महासागरों की सतह पर प्रवाहित वायुमण्डल की हरेक हलचल पर मौसम विज्ञानियों को इनके भिन्न-भिन्न ऊंचाइयों पर निर्मित तापमान और हवा के दबाव, गति और दिशा पर निगाह रखनी होती है। इसके लिये कम्प्यूटरों, गुब्बारों, वायुयानों, समुद्री जहाजों और रडारों से लेकर उपग्रहों तक की सहायता ली जाती है। इनसे जो आंकड़े इकट्ठे होते हैं उनका विश्लेषण कर मौसम का पूर्वानुमान लगाया जाता है। हमारे देश में 1875 में मौसम विभाग की बुनियाद रखी गई थी।आजादी के बाद से मौसम विभाग में आधुनिक संसाधनों का निरंतर विस्तार होता चला आ रहा है। विभाग के पास देशभर में भू-वेधशालाएं, गुब्बारा केन्द्र, रेडियो, पवन वेधशालाएं , तूफान संवेदी, तूफान सचेतक रडार और उपग्रह चित्र प्रेषण एवं ग्राही केंद्र हैं। इसके अलावा वर्षा दर्ज करने वाले हजारों पानी से भाप बनकर हवा होने पर निगाह रखने वाले केन्द्र, पेड़-पौधों की पत्तियों से होने वाले वाष्पीकरण को मापने वाले, विकिरणमापी एवं भूकंपमापी अनेक वेधशालाएं हैं। लक्षद्वीप, केरल व बेंगलुरू में मौसम केंद्रों के डेटा पर सतत निगरानी रखते हुए मौसम की भविष्यवाणियां की जाती हैं। अंतरिक्ष में छोड़े गए उपग्रहों से भी सीधे मौसम की जानकारियां सुपर कम्प्यूटरों में दर्ज होती रहती हैं।

बरसने वाले बादल बनने के लिये गरम हवाओं में नमी का समन्वय जरूरी है। हवाएं जैसे-जैसे ऊंची उठती हैं, तापमान गिरता जाता है। अनुमान के मुताबिक प्रति एक हजार मीटर की ऊंचाई पर पारा 6 डिग्री नीचे आ जाता है। यह अनुपात वायुमण्डल की सबसे ऊपरी परत ट्रोपोपॉज तक चलता है। इस परत की ऊंचाई यदि भूमध्य रेखा पर नापें तो करीब 15 हजार मीटर बैठती है।

यहां इसका तापमान लगभग शून्य से 85 डिग्री सेंटीग्रेड नीचे पाया गया है। यही परत ध्रुव प्रदेशों के ऊपर कुल 6 हजार मीटर की ऊंचाई पर भी बन जाती है और तापमान शून्य से 50 डिग्री सेन्टीग्रेड नीचे होता है। इसी परत के नीचे मौसम का गोला या ट्रोपोस्फियर होता है, जिसमें बड़ी मात्रा में भाप होती है। यह भाप ऊपर उठने पर ट्रोपोपॉज के संपर्क में आती है। ठंडी होने पर भाप द्रवित होकर पानी की नन्हीं-नन्हीं बूंदें बनाती है। पृथ्वी से 5-10 किलोमीटर ऊपर तक जो बादल बनते हैं, उनमें बर्फ के बेहद बारीक कण भी होते हैं। पानी की बूंदें और बर्फ के कण मिलकर बड़ी बूंदों में तब्दील होते हैं और वर्षा के रूप में धरती पर टपकना शुरू होते हैं।

मोरक्को में भुल्लर रहे सर्वश्रेष्ठ भारतीय गोल्फर, इंटरनेशनल सीरीज में संयुक्त 31वें स्थान पर समाप्त किया अभियान

एजेंसी

रबात (मोरक्को)। भारत के अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का समापन संयुक्त 31वें स्थान के साथ किया। दो मिलियन अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस एशियन टूर टूर्नामेंट के अंतिम दौर में भुल्लर ने 1 ओवर 73 का कार्ड खेला। एशियन टूर में 11 खिताब जीत चुके और एएम ग्रीन इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) के चार बार के विजेता भुल्लर ने चार राउंड में 70, 74, 68 और 73 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 6-अंडर पार रहा। हालांकि वह सप्ताहांत में खिताबी दौड़ में जगह नहीं बना सके, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों में सबसे आगे रहे। भारतीय खिलाड़ियों के लिए अंतिम दिन चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। एएम ग्रीन आईजीपीएल विजेता करनदीप कोच्छर ने अंतिम राउंड में 78 का स्कोर बनाया और संयुक्त 61वें स्थान पर खिसक गए। वहीं अजीतेश संधू ने 77 का कार्ड खेलते हुए प्रतियोगिता का समापन भी संयुक्त 61वें स्थान पर किया। इस टूर्नामेंट में मोरक्को का कठिन कोर्स भारतीय खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हुआ। शुरुआती दो राउंड के बाद भारत के सात अन्य खिलाड़ी कट हासिल करने में असफल रहे। ऐसे में भुल्लर का चारों दिन लगातार संतुलित प्रदर्शन भारत के लिए सकारात्मक पहलू रहा।

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल के शेफ डी मिशन बनने पर रोहित राजपाल को डीओए, डीपीवीएल ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल के शेफ डी मिशन नियुक्त किए जाने पर रोहित राजपाल को दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन (डीओए) और दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीपीवीएल) की ओर से शुभकामनाएं और बधाई दी गई। रोहित राजपाल वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। इसके अलावा वे भारतीय डेविस कप टीम के कप्तान रह चुके हैं और ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के संरक्षक संजय शर्मा, डीओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलदीप वत्स तथा दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग की सह-संस्थापक नीति रावत और जसोदा गुलिया ने आज राजपाल से मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि रोहित राजपाल के नेतृत्व में भारतीय दल आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स में देश का प्रभावी प्रतिनिधित्व करेगा और खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलेगा।

अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में जीएसआर क्रिकेट अकादमी की जीत

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ दून के तत्वावधान में अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हो गया। आज उद्घाटन मुकाबला जीएसआर ग्राउंड पर दून बलूनी क्रिकेट अकादमी और जीएसआर क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जीएसआर क्रिकेट अकादमी ने दून बलूनी क्रिकेट अकादमी को तीन विकेट से पराजित कर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के संरक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीसी वर्मा ने मैच का उद्घाटन किया। टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने वाली जीएसआर क्रिकेट अकादमी के सामने दून बलूनी क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में आठ विकेट पर 213 रन बनाए। टीम की ओर से पार्थ शर्मा ने 87 रन, आराध्य रतूड़ी ने 52 रन और आयुष तोमर ने 33 रनों का योगदान दिया। जीएसआर क्रिकेट अकादमी की ओर से रजत कृष्णा सगोई ने दो विकेट लिए, जबकि आकिब, अयान, अभिजीत रावत और कुणाल बिष्ट ने एक-एक विकेट हासिल किया। 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीएसआर क्रिकेट अकादमी ने सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की ओर से आकिब राव ने 68 रन, आरव चौहान ने 54 रन और अयान अली ने नाबाद 35 रनों की उपयोगी पारी खेली।

चौथे संस्करण के साथ वापसी को तैयार ओरिएंटल कप, तारीखों की घोषणा जल्द

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के उभरते हुए विद्यालयी फुटबॉल टूर्नामेंटों में अपनी पहचान बना चुका ओरिएंटल कप इस वर्ष अपने चौथे संस्करण के साथ वापसी करने जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्कूल स्तर पर फुटबॉल संस्कृति को मजबूत करना और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देना है। वर्ष 2023 में छात्र-खिलाड़ी फरीद बख्शी द्वारा शुरू किए गए इस टूर्नामेंट ने कम समय में ही क्षेत्र के स्कूल खेल कैलेंडर में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। पिछले तीन संस्करणों में प्रतियोगिता ने दिल्ली-एनसीआर के कई प्रमुख विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-खिलाड़ियों को एक मंच पर लाकर खेल उत्कृष्टता, टीम भावना और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया है। जुलाई 2025 में दिल्ली के प्रतिष्ठित डॉ. आंबेडकर स्टेडियम में आयोजित पिछले संस्करण में बालक और बालिका वर्गों को मिलाकर कुल 36 स्कूल टीमों ने हिस्सा लिया था। बालक वर्ग का खिताब दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम ने जीता था, जबकि बालिका वर्ग में गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फरीदाबाद विजेता बना था।

ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

ऑकलैंड। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्ड खिलाड़ी ज्योति ने मंगलवार को न्यूज़ीलैंड में खेले गए एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप के मुकाबले में जापान के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। इस अवसर पर हॉकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की।

हरियाणा की रहने वाली ज्योति ने वर्ष 2019 में मलेशिया के खिलाफ द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपनी मेहनत, अनुशासन और मिडफील्ड में शांत एवं प्रभावी खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में अपनी अलग पहचान बनाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्योति कई बड़े टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने प्रो लीग, एशिया कप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ज्योति ने कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी। मैं अपने परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया। 'उन्होंने आगे कहा, 'हर बार भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना मुझे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। इस सफर ने मुझे खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों रूपों में मजबूत बनाया है। मैं आगे भी टीम की सफलता में योगदान देना चाहती हूं और कई और यादगार पल बनाना चाहती हूं। ' हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने ज्योति को बधाई देते हुए कहा, '100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना उनकी प्रतिबद्धता, निरंतरता और मेहनत का प्रमाण है। वह भारतीय महिला हॉकी टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं और हर अवसर पर देश के लिए समर्पण के साथ खेली हैं। हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। ' हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'यह उपलब्धि दर्शाती है कि ज्योति ने लंबे समय तक लगातार मेहनत और धैर्य के साथ खेल को आगे बढ़ाया है। उनकी यात्रा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है, जो भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखते हैं। '

ब्रास सिटी इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट : गोल्डन क्रिकेट एकेडमी पांच विकेट से जीती

एजेंसी

मुरादाबाद। ब्रास सिटी इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में खेले गए मुकाबले में गोल्डन क्रिकेट एकेडमी ने पारकर क्रिकेट एकेडमी को पांच विकेट से हराकर जीत दर्ज की। मैच में हार्दिक राय के ऑलराउंड प्रदर्शन व प्रतीक की घातक गेंदबाजी ने जीत में अहम भूमिका निभाई। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि एमपीएस क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित मैच में टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पारकर क्रिकेट एकेडमी 22.2 ओवर में 84 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से आर्यन चौधरी ने नाबाद 18 रन बनाए, जबकि दृष्टि ने 12 और आयुष व दक्ष ने नौ-नौ रन का योगदान दिया। बल्लेबाजों के संघर्ष के बीच टीम को अतिरिक्त रन के रूप में 30 रन मिले। गोल्डन क्रिकेट एकेडमी की ओर से प्रतीक ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5.2ओवर में 13 रन देकर चार विकेट झटके। हार्दिक राय ने तीन ओवर में महज चार रन खर्च कर तीन विकेट हासिल किए। आरोग्य ने दो विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोल्डन क्रिकेट एकेडमी को कप्तान हार्दिक राय ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 21 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 30 रन की आक्रामक पारी खेली। पार्थ, लोकेश ने सात-सात और कुणाल ने चार रन का योगदान दिया। टीम को अतिरिक्त रन के रूप में 37 रन मिले, जिसकी बदौलत गोल्डन क्रिकेट एकेडमी ने 18.4 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

रियल मैड्रिड ने मार्क कुकुरेला के साथ किया छह साल का करार

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने स्पेनिश डिफेंडर मार्क कुकुरेला को इंग्लिश क्लब चेल्सी से छह साल के अनुबंध पर अपने साथ जोड़ लिया है। रिपोर्टों के अनुसार इस ट्रांसफर की कीमत लगभग 5.5 करोड़ यूरो (63.8 मिलियन डॉलर) है।क्लब की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि कुकुरेला अब 30 जून 2032 तक रियल मैड्रिड का हिस्सा रहेंगे। 27 वर्षीय लेफ्ट-बैक कुकुरेला ने अपने करियर की शुरुआत बार्सिलोना अकादमी से की थी। इसके बाद उन्होंने गेटाफे और ब्राइटन के लिए खेलते हुए पहचान बनाई और वर्ष 2022 में चेल्सी से जुड़े। फिलहाल कुकुरेला स्पेन की राष्ट्रीय टीम के साथ फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा ले रहे हैं। वह वर्तमान स्पेनिश टीम में शामिल रियल मैड्रिड के एकमात्र खिलाड़ी होंगे। रियल मैड्रिड यह बदलाव ऐसे समय में कर रहा है जब क्लब हाल सीजन निराशाजनक रहा और टीम प्रीमियर लीग में 10वें स्थान पर रही। कुकुरेला के क्लब के साथ

के दो सीजन में कोई बड़ा खिताब जीतने में सफल नहीं रहा। क्लब ने हाल ही में नए कोच के रूप में जोश मोरिन्हो की नियुक्ति की है। दूसरी ओर, चेल्सी का पिछला अभी दो साल का अनुबंध शेष था। चेल्सी के साथ अपने कार्यकाल में कुकुरेला ने वर्ष 2025 में क्लब वर्ल्ड कप और यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग का खिताब भी जीता।

श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज : चोटिल युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा भारत 'ए' टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत 'ए' टीम में तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को शामिल किया है। वह चोटिल युधवीर सिंह की जगह टीम का हिस्सा होंगे।

बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में असहजता महसूस हुई थी। इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परेशानी हुई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जांच की और पाया कि युधवीर को दाएं कंधे के रोटेटर कफ में चोट है। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अब उन्हें पूर्ण रूप से फिट होने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा। युधवीर की अनुपस्थिति में अब अशोक शर्मा को टीम में शामिल

किया गया है और वह आगामी मुकाबलों में भारत 'ए' टीम का हिस्सा होंगे।

श्रीलंका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत 'ए' टीम (संशोधित)

तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान),प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय, अशोक शर्मा।

एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2026: भारत ने जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

ऑकलैंड। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल-ए के अपने दूसरे मुकाबले में मंगलवार को जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया। लगातार दूसरी जीत के साथ भारत अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल दागे, जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल एई हिरामित्सु ने किया। यह मुकाबला भारतीय मिडफील्डर ज्योति के लिए भी खास रहा, जिन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मुकाबला खेला।

पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो सकी

और मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत ने बढ़त बनाई। 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार रणनीति के तहत नवनीत कौर के शॉट को निक्की प्रधान ने सही दिशा दी और कप्तान सलीमा टेटे ने गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया।हालांकि जापान ने तुरंत जवाब दिया और 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर हिरामित्सु ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

निर्णायक चौथे क्वार्टर में भारत को जीत दिलाने वाला गोल 49वें मिनट में आया। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया, जिस पर लालरेमसियामी ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारत ने अमेरिका और जापान पर जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और सेमीफाइनल में प्रवेश सुनिश्चित कर लिया।अब भारतीय टीम अपना अंतिम पूल मुकाबला 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ खेलेगी, जबकि जापान और अमेरिका दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

फीफा विश्व कप 2026: ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला बराबरी पर समाप्त

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी के पहले मुकाबले में मंगलवार को ईरान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ। पूरे मैच में दोनों टीमों ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया और अंतिम क्षण तक जीत के लिए संघर्ष किया।

न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए सातवें मिनट में ए. जस्ट के गोल की मदद से बढ़त बना ली। शुरुआती झटके के बाद ईरान ने खेल में वापसी की और 32वें मिनट में आर. रेजाइयान ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी।दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने फिर दबाव बनाया और 54वें मिनट में ए. जस्ट ने अपना दूसरा गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि ईरान ने हार नहीं मानी और 64वें मिनट में एम. मोहैबी ने गोल कर मुकाबले को फिर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक गोल के लिए लगातार प्रयास किए,

लेकिन कोई सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ।इस परिणाम के बाद ग्रुप-जी पूरी तरह खुला हुआ नजर आ रहा है। शुरुआती दौर के बाद ईरान, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और मिस्र सभी समान अंकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित, 84 निशानेबाज जर्मनी में दिखाएंगे दम

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राइफल संघ भारत (एनआरएई) ने जर्मनी के सुहल में आयोजित होने वाली आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए भारतीय दल की घोषणा कर दी है। 16 से 26 जून तक चलने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के 84 युवा निशानेबाज विभिन्न स्पर्धाओं में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में भारतीय दल राइफल, पिस्टल और शॉटगन वर्गों में चुनौती पेश करेगा। प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने का बड़ा मंच मानी जाती है। राइफल स्पर्धाओं में 10 मीटर एयर राइफल, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन और 50 मीटर

राइफल प्रोन वर्गों में पुरुष एवं महिला निशानेबाज भाग लेंगे। वहीं पिस्टल वर्ग में 10 मीटर एयर पिस्टल, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल, स्पोर्ट्स पिस्टल, स्टैंडर्ड पिस्टल और 50 मीटर पिस्टल जैसी स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे।शॉटगन वर्ग में ट्रैप और स्कीट स्पर्धाओं के पुरुष और महिला वर्गों में भी भारतीय दल हिस्सा लेगा। इसके अलावा एयर राइफल, एयर पिस्टल और ट्रैप की मिश्रित टीम स्पर्धाओं में भी भारत दो-दो टीमों के साथ मैदान में उतरेगा।

चैंपियनशिप का आधिकारिक कार्यक्रम 16 जून को खिलाड़ियों के आगमन के साथ शुरू होगा। 17 जून को अभ्यास सत्र और तकनीकी बैठकें आयोजित की जाएंगी, जबकि 18 से 25 जून तक क्वालीफिकेशन और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का समापन 26 जून को होगा।

महिला टी20 विश्व कप 2026: नीदरलैंड के खिलाफ मैच के लिए भारतीय टीम लीड्स पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली । भारतीय टीम ने महिला टी20 विश्व कप 2026 में अपने सफर का दमदार आगाज किया था। टीम इंडिया ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर विश्व कप अभियान की शुरुआत विजयी अंदाज में की थी। भारत का ग्रुप स्टेज का दूसरा मैच नीदरलैंड के साथ होना है और इसके लिए टीम लीड्स पहुंच गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर महिला टीम की बर्मिंघम से हेडिंग्ले की यात्रा को साझा किया है। वीडियो में जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयंका पाटिल, स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा समेत टीम की दूसरी सदस्यों ने अपनी साथियों के बारे में अपने विचार शेयर किए हैं। अरुंधति रेड्डी के बारे में स्मृति मंधाना ने कहा, 'वह मुझे तैयारी और ग्राउंड पर सही चीजें करने के लिए प्रेरित करती हैं। वहीं अरुंधति ने मंधाना के बारे में कहा, 'उनके बारे में एक अच्छी बात यह है कि जब मैं विदेश आती हूं तो मैं जिस भी जगह खाना खाती हूं, वह वही चुनती हैं और अक्सर वहां का खाना बहुत अच्छा होता है। इसलिए अगर कोई जानना चाहता है कि कहां जाना है और क्या देखना है, तो उनसे संपर्क करें। '

जेमिमा से पूछा गया कि उन्हें श्रेयंका के बारे में क्या पसंद है। जवाब में जेमिमा ने कहा, 'श्रेयांका के बारे में मुझे जो बात सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि वह सच में बहुत ख्याल रखने वाली हैं। वह अपने आस-पास के लोगों का ख्याल रखती हैं।

श्रेयांका ने जेमिमा के लिए कहा, 'मैं उसे जेमी कहती हूं। बहुत सी अच्छी बातें हैं, लेकिन एक बात जो मुझे उसके बारे में बहुत पसंद है, वह यह है कि वह ऐसे ही सरप्राइज देती है। मैं कहीं बैठी होती हूं, तो वह कुछ गिफ्ट या कुछ और लेकर आती है क्योंकि मुझे गिफ्ट पसंद हैं।

' वीडियो में, शेफाली ने बताया कि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को सॉफ्ट टॉयज पसंद हैं। दीप्ति शर्मा ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को उस देश या शहर के बारे में पूरी जानकारी होती है, जहां भी वे ट्रैवल कर रही होती हैं। भारत और नीदरलैंड के बीच मैच बुधवार को लीड्स, हेंडिंग्ले में शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

आर्चरी वर्ल्ड कप में भारत का डबल गोल्ड: धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोड ने रचा इतिहास

एजेंसी

अंताल्या (तुर्किये)। भारतीय तीरंदाजी टीम ने आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-3 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारतीय जोड़ी धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोड ने रिकर्व मिक्स्ड टीम स्पर्धा में विश्व नंबर-1 दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि धीरज ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में भी स्वर्ण जीतकर भारत को दोहरी सफलता दिलाई। भारतीय तीरंदाजी संघ ने उक्त जानकारी सोमवार को एक बयान में दी।

रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया। भारत ने इससे पहले डेनमार्क, अमेरिका और जर्मनी को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह उपलब्धि भारत के लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि 2021 के बाद पहली बार भारत ने किसी वर्ल्ड कप चरण में रिकर्व मिक्स्ड टीम स्वर्ण पदक जीता है। इसके बाद धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व फाइनल में दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक को 7-3 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ वह 2021 के बाद वर्ल्ड कप स्तर पर पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए। धीरज का यह प्रदर्शन भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप में मप्र का स्वर्णिम प्रदर्शन, 39 पदकों के साथ बना ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने रायपुर (छत्तीसगढ़) में 12 से 14 जून 2026 तक आयोजित 36वीं राष्ट्रीय जूनियर एवं सब-जूनियर कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब दिलाया। प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने कुल 39 पदक अर्जित कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। जनसम्पर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश ने जूनियर पुरुष, जूनियर महिला, सब-जूनियर बालक एवं सब-जूनियर बालिका वर्ग में चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने एक बार फिर मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय जलक्रीड़ा मानचित्र पर शीर्ष स्थान दिलाया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ में आयोजित 36वीं राष्ट्रीय जूनियर एवं सब-जूनियर कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के 'ओवर ऑल उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बेटों और बेटियों ने सभी 4 वर्गों में चैंपियनशिप जीत कर ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य सरकार उत्कृष्ट खेल अधोसंरचना निर्माण और युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी का प्रतिफल है कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। जूनियर-सब-जूनियर खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदेशन से प्रदेशवासी गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में जलक्रीड़ा के मानचित्र पर प्रदेश को शीर्ष स्थान दिलवाने वाले सभी जांबाज खिलाड़ियों और म.प्र. वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी बधाई की पात्र है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश ने कुल 39 पदक अर्जित किए, जिनमें 25 स्वर्ण, 11 रजत एवं 3 कांस्य पदक शामिल हैं। जूनियर वर्ग की 1000 मीटर एवं 500 मीटर स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने 24 पदक जीते, जिनमें 16 स्वर्ण, 6 रजत एवं 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं सब-जूनियर वर्ग की 500 मीटर एवं 200 मीटर स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने 15 पदक अर्जित किए, जिनमें 9 स्वर्ण, 5 रजत एवं 1 कांस्य पदक शामिल है। उन्होंने बताया कि देवास जिले के खातेगांव की प्रतिभावान खिलाड़ियों ने भी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ी माही साहू ने जूनियर वर्ग की 500 मीटर सी-4 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया। दिव्यानी जाट ने सी-2 500 मीटर एवं सी-4 1000 मीटर स्पर्धाओं में दो रजत पदक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं भाग्यश्री साहू ने के-4 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक तथा के-2 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश के पदक खाते में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई उपलब्धियां अर्जित कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

भारतीय रेलवे ने उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के लिए 201 करोड़ रुपये के कवच प्रोजेक्ट को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने रेलवे सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के शेष ब्रॉड गेज मार्गों पर 'कवच' प्रणाली स्थापित करने की 201 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 811 रूट किलोमीटर क्षेत्र को कवर करेगी। रेल मंत्रालय ने बताया कि इस कार्य को भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर एलटीई आधारित संचार नेटवर्क के साथ 'कवच' प्रणाली उपलब्ध कराने के व्यापक कार्यक्रम के तहत स्वीकृति दी गई है। परियोजना के तहत अंबाला मंडल के कई महत्वपूर्ण रेलखंडों पर कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। इनमें अंबाला छावनी-लुधियाना, कालका-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-साहनेवाल, सरहिंद-दौलतपुर चौक, राजपुरा-बठिंडा-श्रीगंगानगर तथा लुधियाना-धूरी-जाखल रेलखंड शामिल हैं ये रेलमार्ग हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले प्रमुख कॉरिडोर हैं, जहां यात्री और माल यातायात का भारी दबाव रहता है। क्षेत्र में लोगों और वस्तुओं के आवागमन में इन मार्गों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उल्लेखनीय है कि 'कवच' भारतीय रेलवे द्वारा विकसित स्वदेशी ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) प्रणाली है, जिसका उद्देश्य रेल संचालन को अधिक सुरक्षित बनाना है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में आज 2,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है।भाव में आई तेजी के कारण देश के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मजबूती आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

बेरोजगारी दर मई में मामूली रूप से घटकर 5.5 फीसदी रही, श्रम भागीदारी में गिरावट

नई दिल्ली। देश में बेरोजगारी दर में मामूली गिरावट आई है। मई महीने में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी की दर घटकर 5.5 फीसदी रह गई, जो एक साल पहले 5.6 फीसदी थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) की जारी सर्वेक्षण आंकड़ों में बताया कि बेरोजगारी दर सालाना आधार पर भले ही कम हुई है, लेकिन अप्रैल, 2026 के 5.2 फीसदी के मुकाबले इसमें कुछ बढ़ोतरी हुई है। सर्वेक्षण के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर मई में बढ़कर 5.1 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 4.6 फीसदी थी। वहीं, शहरी बेरोजगारी दर घटकर 6.4 फीसदी रह गई, जो अप्रैल में 6.6 फीसदी थी। हालांकि, सालाना आधार पर शहरी बेरोजगारी की दर में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। एनएसओ सर्वेक्षण के अनुसार मई में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) घटकर 54.4 फीसदी रह गई, जो अप्रैल महीने में 55 फीसदी थी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यह 56.6 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 49.8 फीसदी रही। सालाना आधार पर कुल एलएफपीआर में 0.4 फीसदी की गिरावट आई है।

देश का निर्यात मई में 18 फीसदी बढ़कर 45.2 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के व्यापार क्षेत्र से उत्साहजनक खबर आई है। देश का माल निर्यात मई में 18 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि देश से सामान का निर्यात मई में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं, आयात भी मई में 20.62 फीसदी बढ़कर 73.41 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर रहा। मंत्रालय ने कहा कि मई में भारत का सामान का निर्यात अब तक का सबसे ज्यादा मासिक निर्यात रहा। आंकड़ों के मुताबिक देश का निर्यात अप्रैल-मई के दौरान सालाना आधार पर 16.09 प्रतिशत बढ़कर 88.91 अरब डॉलर रहा है। वहीं, सोने का आयात अप्रैल-मई के दौरान 60 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक निर्यात में बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह पेट्रोलियम क्षेत्र रहा है।

पूर्वोत्तर अब लैंडलॉक इलाका नहीं रहा: सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी

शिलांग। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में पूर्वोत्तर भारत का कायाकल्प हुआ है। यह क्षेत्र पहले बुनियादी ढांचे की कमी और सीमित निवेश के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह आर्थिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बन गया है, जो भारत की सबसे महत्वपूर्ण विकास उपलब्धियों में से एक है।

उन्होंने आगे कहा, पूर्वोत्तर अब लैंडलॉक (चारों ओर ज़मीन से घिरा) इलाका नहीं रहा। यह तेज़ी से दक्षिण एशिया को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने वाले लॉजिस्टिक्स, व्यापार और कनेक्टिविटी कॉरिडोर के तौर पर विकसित हो रहा है। मंत्री ने त्रिपुरा के 'क्वीन पाइनएप्पल' और असम की लीची जैसे उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में निर्यात का भी ज़िक्र किया। ये इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उत्पादकों की मदद कर रहा है और बाज़ार तक उनकी पहुंच बढ़ा रहा है।

शिलांग में 'नॉर्थ-ईस्ट इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर समिट एंड एग्जीबिशन 2026' को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए विकास का एक रणनीतिक इंजन बनकर उभरा है। इसे कनेक्टिविटी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और औद्योगिक विकास में अभूतपूर्व निवेश का समर्थन मिला है।इस बदलाव को सीमावर्ती क्षेत्र से आर्थिक विकास के केंद्र की ओर बदलाव बताते हुए सोनोवाल ने कहा कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय नीति-निर्माण के हाशिए से हटकर भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में आ गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस क्षेत्र को कभी मुख्य रूप से भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की बाधाओं के नजरिए से देखा जाता था, उसे अब दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत के प्रवेश द्वार और देश की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में पहचाना जा रहा है। 2014 से इस क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश पर प्रकाश डालते हुए सोनोवाल ने कहा कि 'ग्रॉस बजटरी सपोर्ट' (कुल बजटीय सहायता) ढांचे के तहत पूर्वोत्तर के लिए आवंटन 2014 में लगभग 20,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 1.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि पिछले दशक में इस क्षेत्र में कुल खर्च 7.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) का बजट तीन गुना से अधिक बढ़ गया है - 2014 में 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर मौजूदा बजट चक्र में 6,812 करोड़ रुपये हो गया है। सोनोवाल ने कहा, ये निवेश सिर्फ़ इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बना रहे हैं; ये किसानों को बाज़ार से, उद्यमियों को पूंजी से, छात्रों को शिक्षा से और पूरे क्षेत्र को राष्ट्रीय और वैश्विक वैल्यू चेन से जोड़कर नए अवसर पैदा कर रहे हैं।

देश में पेट्रोल, डीजल और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक, एलपीजी की सप्लाई स्थिर: सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। साथ ही कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस (एलपीजी सिलेंडर) की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है। सुजाता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हालांकि, कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिक्री में असामान्य रूप से तेज़ी देखी जा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि औद्योगिक, प्रत्यक्ष, संस्थागत और व्यावसायिक और कमर्शियल ग्राहकों ने अब रिटेल आउटलेट्स से ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है, जिससे वहां बिक्री बढ़ गई है। मई में, 42 करोड़ डीज़ल की बिक्री बल्क से रिटेल आउटलेट्स पर शिफ्ट हो गई। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि एलएनजी कैरियर 'दिशा' 62,370 एमटी एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर चुका है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के 18 जून को दहेज पहुंचने की उम्मीद है। ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों की भलाई सुनिश्चित करने और उन्हें हर तरह की मदद देने के लिए विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय मिशनों, शिपिंग कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार तालमेल बनाए हुए है।

मुख्यमंत्री से मिले जीनानी कम्पनी के पदाधिकारी, आईटी सेक्टर में निवेश की जताई मंशा

एजेंसी

भोपाल। बेंगलुरू बेस्ड जीनानी डॉट एआई कम्पनी के पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान भोपाल स्थित मंत्रालय पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। कम्पनी पदाधिकारियों ने मध्य प्रदेश में (सूचना प्रौद्योगिकी आईटी) क्षेत्र (आईटी सेक्टर) में निवेश करने की मंशा व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कम्पनी पदाधिकारियों से कहा कि वे निवेश के संदर्भ में ठोस परियोजना प्रस्ताव और स्पष्ट रोडमैप लेकर आएं, सरकार कम्पनी की सभी प्रकार की मदद करेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव एम सेलवेंद्रम, जीनानी डॉट एआई कम्पनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी अनंत नागाराज, कम्पनी के हेड ऑफ एआई ट्रांसफार्मेशन (पब्लिक सेक्टर) कर्नल आदिश वाबुमकर (रिटायर्ड) उपस्थित थे। कम्पनी के पदाधिकारियों ने बताया कि मध्य प्रदेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर व्यापक संभावनाएं हैं। जीनानी डॉट एआई के विभिन्न मॉडलों को प्रदेश में कृषि, स्वास्थ्य, वन, ग्रामीण विभाग और राजस्व विभागों में प्रभावी रूप से लागू कर दक्षता बढ़ाने और नागरिक सेवाओं में सुधार पर विस्तार से काम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि उनकी कम्पनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर काम करती है, जिसमें शासकीय और निजी क्षेत्र शामिल हैं।

TCS की ट्रेड सीक्रेट मामले को लेकर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज, करीब 220 मिलियन डॉलर का हुआ नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली । टीसीएस की ट्रेड सीक्रेट मामले को लेकर दायर की गई याचिका को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से खारिज कर दिया गया है। इससे कंपनी को कुल 220 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। यह जानकारी कंपनी की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में मंगलवार को दी गई। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टीसीएस की याचिका खारिज करते हुए डीएक्ससी टेक्नोलॉजी के पक्ष में 168 मिलियन डॉलर के हर्जाने के फैसले को बरकरार रखा। फाइलिंग में टीसीएस ने कहा, 'हम आपको बताना चाहते हैं कि यूनाइटेड स्टेट्स सुप्रीम कोर्ट ने ऊपर बताए गए मामले में 15 जून, 2026 को यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट के फैसले की समीक्षा के लिए 'रिट ऑफ सर्टिओरारी' की हमारी याचिका को खारिज कर दिया है।' कंपनी ने आगे कहा, 'अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स के अनुसार, इस मामले से जुड़ी राशि के लिए हमने अपने अकाउंट्स में पहले ही 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रावधान कर दिया है। अब कंपनी नुकसान, ब्याज और कानूनी खर्च के लिए अतिरिक्त 70 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि का प्रावधान करेगी,

जिसे वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में एक बार होने वाले असाधारण खर्च के तौर पर दिखाया जाएगा।' यह मामला 2019 में डलास की फेडरल कोर्ट में डीएक्ससी की पुरानी कंपनी, 'कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन' की ओर से दायर किए गए मुकदमे से जुड़ा है। इसमें टीसीएस पर आरोप लगाया गया था कि उसने एक दूसरी इंश्योरेंस कंपनी 'ट्रांसअमेरिका' के लगभग 2,200 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा और एक प्रतिस्पर्धी लाइफ-इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म बनाने के लिए उनकी अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल किया। 2023 में जूरी ने सुझाव दिया कि टीसीएस को जानबूझकर ट्रेड सीक्रेट्स चुराने के लिए 210 मिलियन डॉलर का भुगतान करना चाहिए, लेकिन यूएस डिस्ट्रिक्ट जज ब्रेंटली स्टार ने इसे घटाकर 168 मिलियन डॉलर कर दिया , जिसमें 56 मिलियन डॉलर हर्जाने के तौर पर और 112 मिलियन डॉलर दंडात्मक हर्जाने के तौर पर शामिल थे। फिफ्थ यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने 2025 में इस फैसले को बरकरार रखा।

टीसीएस ने सुप्रीम कोर्ट में तर्क दिया कि डीएक्ससी को असल नुकसान साबित किए बिना 'अनुचित लाभ' का हर्जाना नहीं मिलना चाहिए था, और दंडात्मक हर्जाने की रकम बहुत अधिक है।

मारुति सुज़ुकी ने शुरू की नई रखरखाव योजना, वाहन मालिकों को मिलेगा खर्च में राहत का लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई और सुविधाजनक रखरखाव योजना शुरू की है। कंपनी ने 'स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान' नामक इस पहल के जरिए वाहन मालिकों को सेवा और रखरखाव से जुड़े खर्चों पर बेहतर नियंत्रण देने का प्रयास किया है। इस नई योजना का उद्देश्य ग्राहकों को भविष्य में बढ़ने वाली सेवा लागतों से बचाना, रखरखाव को आसान बनाना और वाहन स्वामित्व के अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाना है। ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई योजना

मारुति सुजुकी की यह नई योजना निजी और व्यावसायिक दोनों प्रकार के वाहन मालिकों के लिए उपलब्ध कराई गई है। ग्राहक चाहें तो नया वाहन खरीदते समय ही इस योजना को अपना सकते हैं, वहीं पहले से वाहन उपयोग कर रहे ग्राहक भी देशभर में स्थित किसी भी अधिकृत मारुति सुजुकी सेवा केंद्र से इसे खरीद सकते हैं।

कंपनी का कहना है कि आज के दौर में ग्राहक केवल वाहन खरीदने

तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि वे वाहन के पूरे जीवनकाल में बेहतर सेवा, पारदर्शिता और खर्चों पर नियंत्रण की भी अपेक्षा रखते हैं। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए इस योजना को तैयार किया गया है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लचीलापन है। वाहन मालिक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विभिन्न प्रकार के सेवा पैकेज चुन सकते हैं। इनमें केवल श्रम शुल्क वाले पैकेज, पुर्जों और श्रम दोनों को शामिल करने वाले पैकेज, व्यावसायिक वाहनों के लिए विशेष रखरखाव सेवाएं, ग्राहक की मांग के अनुसार अतिरिक्त सेवाएं तथा इंजन ऑयल और शीतलक द्रव से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं।

इसके अलावा कुछ चुनिंदा पुर्जों के लिए घिसावट और सामान्य उपयोग से होने वाले नुकसान की सुरक्षा का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। इसमें क्लच और ब्रेक जैसे महत्वपूर्ण हिस्सों को शामिल किया गया है, जिससे भविष्य में होने वाले अतिरिक्त खर्चों को कम किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार इस योजना का लाभ लेने वाले ग्राहकों को श्रम शुल्क में कम से कम दस प्रतिशत तक की बचत हो सकती है। इसके अतिरिक्त विभिन्न पुर्जों और उपभोग्य सामग्रियों पर भी अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। चूंकि यह एक पूर्व भुगतान आधारित योजना है, इसलिए ग्राहक सेवा पैकेज खरीदते समय ही भविष्य के रखरखाव खर्च को तय कर सकते हैं। इससे आने वाले वर्षों में सेवा शुल्क बढ़ने की स्थिति में भी ग्राहकों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। मारुति सुजुकी ने अलग-अलग उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई अवधि और दूरी आधारित विकल्प उपलब्ध कराए हैं। निजी वाहन मालिक दो वर्ष या बीस हजार किलोमीटर से लेकर दस वर्ष या एक लाख किलोमीटर तक के विकल्प चुन सकते हैं। वहीं व्यावसायिक वाहनों के लिए यह सुविधा और अधिक विस्तृत रूप में उपलब्ध होगी। ऐसे वाहन मालिक दस वर्ष या एक लाख साठ हजार किलोमीटर तक की सुरक्षा और रखरखाव योजना का लाभ उठा सकेंगे।

दिल्ली मेट्रो मार्गों पर मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में जियो और एयरटेल आगे, एमटीएनएल और वोडाफोन -आइडिया पिछड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के राजधानी दिल्ली में मेट्रो मार्गों पर किए गए मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता परीक्षण में जियो और एयरटेल सबसे आगे रहे, जबकि एमटीएनएल और वोडाफोन-आइडिया कई मानकों पर पिछड़ गए। इस परीक्षण में जियो ने औसतन 141 एमबीपीएस और एयरटेल ने 81 एमबीपीएस डाउनलोड स्पीड हासिल की, जबकि एमटीएनएल 4 एमबीपीएस और वोडाफोन आइडिया 23 एमबीपीएस पर रहा। केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार अप्रैल में किए गए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट में कवरेज गैप, कॉल ड्रॉप, कॉल सेटअप सफलता दर और डेटा स्पीड जैसे प्रमुख मानकों का आकलन किया गया। यह परीक्षण दिल्ली लाइसेंस सेवा क्षेत्र में 490 किलोमीटर लंबे मेट्रो मार्गों पर किया गया। इसमें दिल्ली मेट्रो रेल निगम, नोएडा मेट्रो रेल निगम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के मार्ग शामिल रहे। रिपोर्ट में बताया गया कि अपलोड स्पीड में भी एयरटेल (25.98 एमबीपीएस) और जियो (19.99 एमबीपीएस) आगे रहे, जबकि एमटीएनएल (1.84 एमबीपीएस) और वोडाफोन आइडिया (16.96 एमबीपीएस) पीछे रहे। कॉल ड्रॉप दर में एमटीएनएल का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा, जहां 51 कॉल ड्रॉप दर्ज किए गए। एयरटेल में 5, जियो में 8 और वोडाफोन आइडिया में 10 कॉल ड्रॉप हुए। कवरेज गैप में भी एमटीएनएल सबसे पीछे रहा, जहां 20 हजार से अधिक नमूनों में कमजोर सिग्नल दर्ज हुआ। एयरटेल, जियो और वोडाफोन आइडिया की तुलना में एमटीएनएल का नेटवर्क प्रदर्शन सबसे कमज़ोर पाया गया।

मप्र में एग्री सौर पीवी के विकास में जर्मन कम्पनी जीआईजेड करेगी सहयोग, मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ एमओयू

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश को एग्रो सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम तथा जर्मन सरकार समर्थित इंडो-जर्मन एग्री वोल्टाइक सहयोग परियोजना (आईजीसीए) के मध्य मंत्रालय, भोपाल में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक अमनवीर सिंह बैंस, भारत में जर्मन दूतावास के पदाधिकारी, एग्री

वोल्टाइक संगठन से एलेक्जेंडर, जर्मनी की जीआईजेड कम्पनी के पदाधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बताया गया कि एग्री वोल्टाइक, कृषि एवं सौर ऊर्जा के संयुक्त उपयोग को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया एक संगठन है। इसका उद्देश्य कृषि भूमि पर खेती के साथ-साथ उसी खेत में ही सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करना है, जिससे अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता कम हो, खाद्य सुरक्षा बनी रहे तथा भूमि संबंधी विवादों से भी बचा जा सके। इस काम में जर्मन कम्पनी सरकार को सहयोग देगी। बताया गया कि यह पहल पीएम-कुसुम 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं के अनुरूप राज्य में विशिष्ट एग्रीवोल्टाइक ढांचा विकसित करने, किसानों की आय बढ़ाने, भूमि उपयोग दक्षता सुधारने, उत्पादित ऊर्जा की सुरक्षा सुदृढ़ करने तथा जलवायु-अनुकूल ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में सहायक होगी। यह गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन मई 2030 तक प्रभावी रहेगा। बताया गया कि एग्री सौर पीवी के तहत सरकार किसानों को सब्सिडी देगी। इससे किसान अपनी जमीन के मालिकाना हकदार होंगे। किसान जमीन में खेती करेंगे और उसी खेत में सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा उत्पादन कर अतिरिक्त आय भी अर्जित करेंगे। यह किसानों के लिए डबल सौगात होगी।राज्य सरकार और इंडो-जर्मन एग्री वोल्टाइक सहयोग परियोजना के मध्य हुई इस परस्पर साझेदारी के अंतर्गत कम्पनी द्वारा एग्रीवोल्टाइक परियोजनाओं की पहचान, तकनीकी एवं आर्थिक मूल्यांकन, डिजाइन, वित्तीय व्यवहार्यता और क्रियान्वयन में सहयोग किया जाएगा।

देश की बायोइकोनॉमी को अगले चार सालों में 300 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य: डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने बताया कि देश की बायोइकोनॉमी 2014 में 10 अरब डॉलर से बढ़कर 190 अरब डॉलर से अधिक हो गई है और 2030 तक इसे 300 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) हेडक्वार्टर में विज्ञान, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में बदलाव लाने वाली तरक्की के 12 साल विषय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विज्ञान और टेक्नोलॉजी प्रयोगशालाओं से निकलकर आम

नागरिकों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा का मुख्य आधार बन गए हैं। इस पत्रकार वार्ता में सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलाईसेल्वी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले मौजूद रहे। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। जहां पहले गिने-चुने स्पेस स्टार्टअप थे, वहीं अब उनकी संख्या 400 से अधिक हो गई है। भारत की स्पेस इकोनॉमी, जो वर्तमान में लगभग 8 अरब डॉलर की है, आने वाले वर्षों में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

भारतीय रेलवे ने गुजरात के अहमदाबाद मंडल के लिए 140 करोड़ रुपये के कवच प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने गुजरात में रेल सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए अहमदाबाद मंडल में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' संस्करण 4.0 की स्थापना के लिए 140 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है।

रेल मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में 598 रूट किलोमीटर और 48 ब्लॉक सेक्शनों पर कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। इस परियोजना को भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर एलटीई आधारित संचार नेटवर्क के साथ कवच उपलब्ध कराने के व्यापक कार्यक्रम के तहत स्वीकृति दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि अहमदाबाद मंडल में इससे पहले लगभग 702 रूट किलोमीटर पर कवच कार्य पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। नई परियोजना की मंजूरी के बाद मंडल के शेष मार्ग भी कवच प्रणाली के दायरे में आ जाएंगे, जिससे पूरे मंडल में इस अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीक का व्यापक विस्तार सुनिश्चित होगा कवच भारतीय रेलवे द्वारा विकसित एक स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) प्रणाली है, जो रेल परिचालन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। यह सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी) जैसी घटनाओं को रोकने, आवश्यक होने पर स्वतः ब्रेक लगाने, संवेदनशील परिस्थितियों में ट्रेन की गति नियंत्रित करने तथा टक्कर के जोखिम को कम करने में सक्षम है।

भारत में लॉन्च हुई नई मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, मिलेगी शक्तिशाली संकर तकनीक और अत्याधुनिक सुविधाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । देश के लग्जरी वाहन बाजार में अपनी मजबूत पहचान रखने वाली मर्सिडीज-बेंज ने भारतीय ग्राहकों के लिए अपनी नई एस-क्लास पेश कर दी है। कंपनी ने इस प्रतिष्ठित लग्जरी सेडान के अद्यतन संस्करण को कई तकनीकी और डिज़ाइन सुधारों के साथ बाजार में उतारा है। सबसे बड़ी खासियत यह है कि पहली बार भारतीय बाजार में एस-क्लास को प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक के साथ पेश किया गया है, जिससे यह न केवल अधिक शक्तिशाली बल्कि पहले से अधिक ईंधन-किफायती भी बन गई है। कंपनी ने इस नई कार की शुरुआती कीमत 2.20 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) निर्धारित की है। फिलहाल इसे केवल एस 450 ई संस्करण में उपलब्ध कराया गया है और इसकी बुकिंग शुरू कर दी गई है। ग्राहकों को इसकी डिलीवरी इस वर्ष दीपावली के आसपास मिलने की संभावना है।

नई एस-क्लास की शुरुआती कीमत पुराने मॉडल की तुलना में लगभग 35 लाख रुपये अधिक रखी गई है। कंपनी का मानना है कि इसमें शामिल नई तकनीक, आधुनिक सुविधाएं और उन्नत शक्ति प्रणाली इस मूल्य वृद्धि को उचित ठहराती हैं। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला मुख्य रूप से बीएमडब्ल्यू की 7 सीरीज से माना जा रहा है। नई एस-क्लास दो संस्करणों में उपलब्ध होगी। पहला संस्करण एक्सक्लूसिव लाइन के साथ और दूसरा अधिक प्रीमियम सुविधाओं वाले मैनुफैक्चर संस्करण के रूप में पेश किया गया है।

इस नई लग्जरी कार में तीन लीटर क्षमता का टर्बो पेट्रोल इंजन और एक विद्युत मोटर का संयोजन दिया गया है। इसके साथ बड़ी क्षमता वाला बैटरी पैक भी जोड़ा गया है। दोनों प्रणालियों को मिलाकर वाहन लगभग 435 ब्रेक हॉर्सपावर की शक्ति और 680 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है। कंपनी का दावा है कि यह कार केवल विद्युत शक्ति पर लगभग 115 किलोमीटर तक चल सकती है। यह दूरी वर्तमान में उपलब्ध कई संकर वाहनों से अधिक मानी जा रही है। यही नहीं, यह वाहन शून्य से सौ किलोमीटर प्रति घंटे की गति केवल 5.7 सेकंड में प्राप्त कर सकता है।

तेज चार्जिंग सुविधा के माध्यम से इसकी बैटरी को लगभग 20 मिनट में 10 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। ईंधन दक्षता के मामले में भी यह कार उल्लेखनीय प्रदर्शन का दावा करती है।हालांकि एस-क्लास की मूल पहचान बरकरार रखी गई है, लेकिन इसके बाहरी स्वरूप में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। सामने की ओर बड़ी ग्रिल दी गई है जिसमें क्रोम फिनिश वाले तीन नुकीले सितारा चिन्ह शामिल हैं। विशेष संस्करणों में रोशनी से जगमगाने वाली ग्रिल की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

नई प्रकाश व्यवस्था इस कार को पहले से अधिक आकर्षक बनाती है। आगे और पीछे दोनों तरफ विशेष सितारा आकृति वाली रोशनी दी गई है, जो रात के समय वाहन को अलग पहचान प्रदान करती है। इसके अलावा नए डिजाइन वाले पहिए और नए रंग विकल्प भी ग्राहकों को उपलब्ध कराए गए हैं। नई एस-क्लास का अंदरूनी हिस्सा पहले से कहीं अधिक आधुनिक और तकनीक से भरपूर बनाया गया है। भारतीय बाजार में इसे लंबे व्हीलबेस वाले संस्करण में पेश किया गया है, जिससे पीछे बैठने वाले यात्रियों को भरपूर स्थान मिलता है।

चार सीटों वाले विशेष संस्करण में पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए अत्यंत आरामदायक सीटें उपलब्ध हैं, जिन्हें काफी पीछे तक झुकाया जा सकता है। सभी सीटों में वेंटिलेशन, ताप नियंत्रण और मालिश जैसी सुविधाएं दी गई हैं। कंपनी ने केबिन को और अधिक शांत बनाने के लिए अतिरिक्त ध्वनि रोधन सामग्री का उपयोग किया है। इसके कारण यात्रा के दौरान बाहरी शोर काफी कम महसूस होगा। इस कार का सबसे बड़ा तकनीकी आकर्षण इसका नया डिजिटल सुपरस्क्रीन सिस्टम है। इसमें बड़ी ओएलईडी स्पर्श स्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और आगे बैठे सहयात्री के लिए अलग डिजिटल स्क्रीन उपलब्ध कराई गई है। नई सॉफ्टवेयर प्रणाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस है, जो चालक की आवश्यकताओं को समझकर कई कार्यों को आसान बनाती है।

'एमटी सेट्टेबेलो' से रेस्क्यू किए गए 21 नाविक लौटे स्वदेश, भारतीय दूतावास ने की पुष्टि

एजेंसी

मस्कट । ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने जहाज एमटी सेट्टेबेलो से रेस्क्यू किए गए 21 भारतीय नाविकों के भारत लौटने की जानकारी दी। दूतावास ने विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत के ओमान में राजदूत प्रशांत पीसे ने उनके स्वदेश लौटने से पहले क्रू के सदस्यों से मुलाकात की, उन्हें शुभकामनाएं दीं और कठिन परिस्थिति में उनके साहस और धैर्य बनाए रखने की सराहना की। भारतीय दूतावास के अनुसार, पलाऊ-ध्वज वाले जहाज एमटी सेट्टेबेलो पर ओमान के सोहर तट से लगभग 30 समुद्री मील दूर हमला हुआ था। इस घटना में 21 भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया, जबकि 3 नाविकों की मृत्यु हो गई। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'एमटी सेट्टेबेलो, एक पलाऊ-ध्वज वाला जहाज, ओमान के सोहर तट से लगभग 30 समुद्री मील दूर था जब उस पर हमला हुआ। ओमान मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर को तुरंत सूचित किया गया, जिसके आधार पर संबंधित ओमानी अधिकारियों ने खोज और बचाव अभियान शुरू किया। 21 भारतीय चालक दल को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन इस दुखद समुद्री घटना में 3 लोगों की जान चली गई। '

स्लोवाक राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद पीएम मोदी बोले- 'आपके विचार हमेशा बहुत प्रेरक और मूल्यवान होते हैं'

ब्रातिस्लावा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी की जमकर सराहना की। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पेलेग्रिनी की समझ और विचारों को बहुत प्रेरणात्मक और कीमती बताया और कहा कि उनसे मिलकर खुशी हुई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति पेलेग्रिनी, आपसे मिलकर खुशी हुई। मुझे खुशी है कि हम अपनी पिछली बैठक के दौरान हुई जरूरी बातचीत को जारी रख पाए। आपकी समझ और विचार हमेशा बहुत प्रेरणा देने वाले और कीमती होते हैं।' प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पेलेग्रिनी का एक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें दोनों नेताओं के बीच अच्छे संबंधों पर जोर दिया गया था। अपने पोस्ट में, स्लोवाक राष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे खुशी है कि नरेंद्र मोदी और मैं इस फरवरी में नई दिल्ली की मेरी यात्रा के दौरान शुरू हुई खुली और दोस्ताना बातचीत को आगे बढ़ा सकते हैं। ' पीएम मोदी ने उपनिषदों का स्लोवाक में अनुवाद करने वाले डॉ. रॉबर्ट गैफ्रिक से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कर लिखा, 'कल शाम ब्रातिस्लावा में, मैं डॉ. रॉबर्ट गैफ्रिक से मिला, जिन्होंने उपनिषदों का स्लोवाक में अनुवाद करने की कोशिश को लीड किया है। भारतीय इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता के लिए उनका जुनून तारीफ के काबिल है। '

अमेरिका-ईरान समझौते पर बोले नेतन्याहू- लड़ाई अभी ख़त्म नहीं हुई, इसराइल अपनी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

यरूशलम। अमेरिका और ईरान के बीच हुए ऐतिहासिक शांति समझौते के एलान के बाद इसराइल के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में भारी असहजता देखी जा रही है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने यरूशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। नेतन्याहू ने दावा किया कि उनकी सरकार ने इसराइल को 'पूरी तरह तबाह होने से बचा लिया है ', लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि 'लड़ाई अभी ख़त्म नहीं हुई है।' प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इसराइल को इस नए माहौल में बेहद 'सतर्क रहना होगा' और ज़रूरत पड़ने पर वह अपनी रक्षा और बचाव के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। अमेरिकी नेतृत्व के साथ संबंधों पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ मामलों में उनकी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राय एक जैसी नहीं होती, लेकिन वह इसराइल के हितों की रक्षा के लिए हमेशा मज़बूती से खड़े रहेंगे। उन्होंने विशेष रूप से उत्तरी इसराइल (लेबनान सीमा) के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस बीच, इसराइली कैबिनेट के अन्य मंत्रियों ने भी इस समझौते को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। इसराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री और कट्टर दक्षिणपंथी नेता इतामार बेन-ग्वेर ने साफ शब्दों में कहा कि उनका देश इस अमेरिका-ईरान समझौते को मानने के लिए 'बाध्य नहीं' है। वहीं, रक्षा मंत्री इसराइल कात्ज़ ने अपनी रणनीतिक योजना साझा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मैं एक साफ़ नीति पर काम कर रहे हैं।

भारत और स्लोवाकिया ने संबंधों को व्यापक साझेदारी तक बढ़ायाः विदेश मंत्रालय

ब्रातिस्लावा। भारत और स्लोवाकिया ने अपने आपसी संबधों को 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा दिया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्रातिस्लावा का ऐतिहासिक दौरा अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को नई रफ्तार देगा। वर्ष 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली ऐतिहासिक यात्रा है, जिसके दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक ब्रातिस्लावा कैसल में अपने स्लोवाक समकक्ष प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की व्यापक वार्ता की। इसके बाद, दोनों नेताओं की उपस्थिति में 11 समझौतों और समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। ब्रातिस्लावा में मीडिया को जानकारी देते हुए विदेश सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने बेहतर संबंधों की बदलाव लाने की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि यह दौरा यूरोपीय देश के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करता है।

दुनिया की बड़ी शिपिंग कंपनी का फैसला, 'तुरंत होर्मुज नहीं भेजेंगे जहाज'

एजेंसी

वाशिंगटन । यूएस-ईरान पीस डील पर सहमति बनने के बाद भी दुनिया की बड़ी शिपिंग कंपनी ने फिलहाल होर्मुज से अपने जहाज न भेजने का ऐलान किया है। जापान की मित्सुई ओएसके लाइन्स (एमओएल) का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने के बावजूद जहाज मालिक तुरंत होर्मुज से अपने जहाज नहीं भेजेंगे। फाइनेंशियल टाइम्स से बात करते हुए कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जोतारो तमूरा ने कहा कि शिपिंग कंपनियां तब तक इंतजार करेंगी, जब तक उन्हें यह विश्वास नहीं हो जाता कि अमेरिका-ईरान समझौता सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका असर जमीन पर भी दिख रहा है।

तमूरा ने कहा, 'सिर्फ संबंधित देशों के बीच कोई साधारण समझौता हो जाना अपने आप में काफी नहीं होगा। जरूरी यह है कि उसका असर होर्मुज के वास्तविक हालात में भी साफ तौर पर दिखाई दे। ऐसा हुआ तभी शिपिंग कंपनियां वहाँ से दोबारा सुरक्षित और निश्चिंत होकर अपने

जहाज गुजारने का फैसला कर पाएंगी। ' उनके अनुसार, होर्मुज से तेल टैंकरों और मालवाहक जहाजों की सामान्य आवाजाही बहाल होने में अभी कई सप्ताह लग सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते की घोषणा के साथ ही दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरने का मार्ग अब 'सुरक्षित, संरक्षित और पूरी तरह सामान्य' है। हालांकि, फरवरी के अंत से यह जलमार्ग लगभग पूरी तरह बंद रहा है। तमूरा ने यह टिप्पणी ट्रंप की अमेरिका-ईरान पीस डील घोषणा से पहले की थी। हालांकि, एमओएल ने स्पष्ट किया कि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बावजूद तमूरा का आकलन नहीं बदला है।

एमओएल दुनिया की सबसे बड़ी टैंकर ऑपरेटिंग कंपनियों में से एक है। कंपनी के पास 900 से अधिक जहाज हैं, जिनमें 200 से ज्यादा जहाज कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और रसायनों के परिवहन में लगे हुए हैं। जहाजों की संख्या के आधार पर इसे दुनिया का सबसे बड़ा टैंकर ऑपरेटर माना जाता है।

इस बीच, इंटरनेशनल मेरिटाइम ऑर्गनाइजेशन (आईएमओ) के महासचिव आर्सिनो डोमिनगेस ने कहा कि संगठन इस बात का आकलन कर रहा है कि जहाजों को सुरक्षित और संरक्षित तरीके से कैसे निकाला जा सकता है। उन्होंने बताया कि संभावित समुद्री बारूदी सुरंगों (माइंस) और अत्यधिक भीड़भाड़ जैसी चुनौतियों से बचने के उपायों पर भी विचार किया जा रहा है, क्योंकि इनसे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि 19 से 21 जून तक नेपाल में

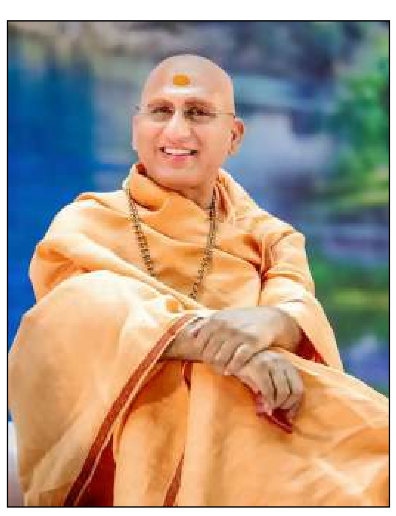

एजेंसी

काठमांडू। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक नगर ऋषिकेश स्थित जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि नेपाल के तीन दिन के प्रवास पर 19 जून को काठमांडू पहुंचेंगे। वह पहले दिन प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी में भाग लेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि 20 जून को विराटनगर में होने वाले सनातन सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन में बौद्ध भिक्षु फुपु छेम्बे शेर्पा तथा किरात धर्मगुरु आत्मानन्द लिङ्देन भी शामिल होंगे। वह 21 जून को पशुपतिनाथ मंदिर और कुमारी घर में दर्शन करने के बाद स्वदेश रवाना होंगे।

दूर के रिश्तेदार से बेहतर पास का पड़ोसी होता है': चीनी विदेश मंत्री

एजेंसी

काठमांडू। चीन के दौरे पर गए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के साथ मुलाकात के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि 'दूर के रिश्तेदार की तुलना में पास का पड़ोसी बेहतर होता है'। चीन की राजधानी बीजिंग में हुई बैठक में वांग ने याद दिलाया कि नेपाल और चीन वर्षों से अच्छे पड़ोसी रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास, समृद्धि और आधुनिकीकरण की यात्रा में चीन हमेशा नेपाल के लिए एक भरोसेमंद पड़ोसी और भागीदार बना रहेगा। नेपाल और चीनी समकक्षों के बीच हुई इस मुलाकात के बारे में चीनी विदेश मंत्रालय ने आज सुबह लिखा, वांग यी ने 'दूर के रिश्तेदार से बेहतर पास का पड़ोसी होता है' कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि चीन नेपाल के लिए विकास, समृद्धि और आधुनिकीकरण की यात्रा में हमेशा एक भरोसेमंद पड़ोसी और साझेदार रहेगा। इतिहास और वास्तविकता ने यह साबित किया है कि चीन-नेपाल मित्रता नेपाल राष्ट्र, नेपाली जनता और राष्ट्रीय हितों के लिए फायदेमंद रही है। वांग ने जानकारी दी कि चीन ने नेपाल के साथ अपने संबंधों को अपनी पड़ोसी कूटनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाली जनता के प्रति चीन की मैत्रीपूर्ण नीति निरंतर जारी रहेगी। विदेश मंत्री वांग ने कहा कि चीन और नेपाल पहाड़ों तथा नदियों से जुड़े हुए और साझा भविष्य वाले पड़ोसी देश हैं। उन्होंने याद दिलाया कि राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से, चाहे अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति हो या नेपाल की आंतरिक राजनीतिक स्थिति, जो भी बदलाव आए हों, दोनों देशों ने हमेशा 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों' (पंचशील) का पालन करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को निरंतर आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि चीन हमेशा नेपाल की राष्ट्रीय संप्रभुता, स्वतंत्रता और भौगोलिक अखंडता की रक्षा करने का समर्थन करेगा, जनसमर्थन के साथ नई नेपाली सरकार को सफलतापूर्वक शासन चलाने में सहयोग करेगा और नेपाल की राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल विकास मार्ग की खोज का समर्थन करेगा। विदेश मंत्री वांग ने 'एक चीन नीति' के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता जताने और ताइवान तथा तिब्बत से जुड़े चीन के मूल हितों के मामलों में निरंतर समर्थन करने के लिए नेपाल की सराहना भी की। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)' के तहत बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क, सड़क, सीमा नाके और हवाई परिवहन जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करके नेपाल की सहायता करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।साथ ही उन्होंने कहा कि चीन अपनी कंपनियों को नेपाल में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगा और उम्मीद करता है कि नेपाल अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और अनुकूल व्यावसायिक माहौल प्रदान करेगा।

यूएई के बराकाह न्यूक्लियर प्लांट पर हमले की निंदा, सुरक्षा को लेकर वैश्विक चेतावनी जारी

एजेंसी

अबू धाबी। संयुक्त रात अमीरात (यूएई) के बराकाह न्यूक्लियर पावर प्लांट पर पिछले माह की 17 मई को हुए हमले की निंदा करते हुए सुरक्षा को लेकर वैश्विक चेतावनी जारी की गई। यह हमला इराक के हथियारबंद गुटों ने किया था। निंदा करने वाले देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया है।

साथ ही पर्यावरण और मानवीय खतरों के प्रति आगाह करते हुए अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में न्यूक्लियर सुविधाओं के शांतिपूर्ण ऑपरेशन और सुरक्षा के लिए समर्थन दोहराया है।

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अरब दुनिया के पहले वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के संदर्भ में संयुक्त अरब अमीरात, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बहरीन, बेल्जियम, बुल्गारिया, कनाडा, चिली, कोलंबिया, कोमोरोस, कोस्टा रिका, कोटे डी आइवर, क्रोएशिया, साइप्रस, चेकिया, डेनमार्क, मिस्र, इक्वाडोर, एस्टोनिया, यूरोपीय संघ, फिनलैंड, फ्रांस, जॉर्जिया, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, होंडुरास, हंगरी, आयरलैंड, इटली, जापान, जॉर्डन,

कजाकिस्तान, कुवैत, लातविया, लेबनान, लीबिया, लिकटेंस्टीन, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, माल्टा, मार्शल द्वीप, मॉरीशस, मोल्दोवा, मोरक्को, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पाकिस्तान, पलाऊ, पैराग्वे, पेरू, फिलीपींस, पोलैंड, पुर्तगाल, कतर, कोरिया गणराज्य, रोमानिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस, सैन मैरिनो, सऊदी अरब, सर्बिया, सेशेल्स, सिंगापुर, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, सीरिया, टोंगा, तुर्किये, यूक्रेन, ब्रिटेन, यूनाइटेड स्टेट्स, उरुग्वे, वियतनाम और यमन ने संयुक्त बयान जारी किया है। पूरा बयान इस प्रकार है- हम 17 मई 2026 को संयंत्र के अंदरूनी हिस्से के बाहर इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर किए गए ड्रोन हमले की कड़ी निंदा करते हैं। यह हमला संयुक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशंस) के चार्टर समेत इंटरनेशनल कानून का खुला उल्लंघन है। यह अंतराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ सभी हमलों को रोकने की मांग करते हैं। हम यूनाइटेड नेशंस के चार्टर के सिद्धांतों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात की एकता और संप्रभुता का पूरा समर्थन करते हैं।''

भारत ने केवल अस्थायी सदस्यता बढ़ाने के सुझाव को 'विफलता के करीब' बताकर किया खारिज

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार को लेकर जारी वैश्विक चर्चा के बीच भारत ने केवल अस्थायी सदस्य देशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को 'विफलता की कगार पर पहुंचा हुआ' बताते हुए खारिज कर दिया है। भारत का कहना है कि विश्व संगठन की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था में सार्थक और व्यापक सुधार की आवश्यकता है, न कि केवल सीमित बदलावों की। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि स्थायी सदस्यता का विस्तार किए बिना सुधार करने से 'पी5' यानी पांच स्थायी सदस्यों- ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस और अमेरिका की निर्णय लेने की संरचना में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने सुरक्षा परिषद सुधार पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) की बैठक में कहा, 'समूहों और सदस्य देशों ने वास्तविक और सार्थक बदलाव के

लिए लंबे समय तक इंतजार किया है। यदि सुधार केवल अस्थायी सदस्यता तक सीमित रहा, तो यूएनएससी सुधार विफलता की कगार पर पहुंच जाएगा। ' इटली के नेतृत्व वाला यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस (यूएफसी) समूह, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है, नए स्थायी सदस्यों को जोड़ने का विरोध करता रहा है। भारत का आरोप है कि यह समूह सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में प्रक्रियागत उपायों का इस्तेमाल कर बाधा उत्पन्न करता है। यूएफसी को अनौपचारिक रूप से 'कॉफी क्लब' भी कहा जाता है। 1990 के दशक में गठित यह समूह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के विस्तार का विरोध करता रहा है। यूएफसी की प्रमुख रणनीति यह रही है कि ऐसे वार्ता-पाठ (नेगोशिएटिंग टेक्स्ट) को अपनाने से रोका जाए, जो सुधारों पर ठोस चर्चा का आधार बन सके और प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद करे। उनका कहना है कि बातचीत का टेक्स्ट बनने से पहले आम सहमति होनी चाहिए, जो बातचीत से आम सहमति बनने के विचार के बिल्कुल उलट है। भारतीय प्रतिनिधि हरीश ने कहा, ''जब तक हर मुद्दे पर सहमति न बन जाए, तब तक किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं मानी जाएगी' जैसी सोच को प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। ' यूएफसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, 'यथास्थितिवादी पक्षों ने इस तर्क का इस्तेमाल अपने हित में किया है और इस प्रकार सुरक्षा परिषद में मौजूद असमानताओं को और मजबूत किया है। ' उन्होंने कहा, 'आईजीएन, यूएन की दूसरी प्रक्रिया से बिल्कुल अलग नहीं हो सकता, जहां बातचीत एक टेक्स्ट के आधार पर होती है।

सहकारी ठगी मामले में रवि लामिछाने को बड़ी राहत, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप खारिज

एजेंसी

काठमांडू। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) अध्यक्ष रवि लामिछाने को कानूनी प्रक्रिया में एक और राहत मिली है। रुपन्देही जिला अदालत ने उनके खिलाफ लगाए गए संगठित अपराध (ऑर्गनाइज्ड क्राइम) और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आरोपों को मंगलवार को खारिज कर दिया । सहकारी ठग का मूल मामला अभी भी जारी रहेगा। न्यायाधीश रमेश कांत अधिकारी की एकल पीठ ने अतिरिक्त आरोपों को हटाने का आदेश दिया। अदालत के आदेश से इस मामले के अन्य आरोपितों को भी राहत मिली है, जिनमें फरार जीभी राई और जेल में बंद कुमार रमतेल शामिल हैं।

जेडी वेंस को भरोसा, 'इजरायल आगे चलकर यूएस-ईरान डील में होगा शामिल

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को यकीन है कि इजरायल अंत में पीस डील का हिस्सा बनेगा। जबकि इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रेस वार्ता में स्पष्ट कर दिया कि वो एमओयू का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा, 'जो हम जानते हैं वह यह है कि यह समझौता इजरायल को ज्यादा सुरक्षित बनाएगा और पूरे क्षेत्र को भी अधिक सुरक्षित करेगा।' वेंस ने आगे कहा कि इस समझौते को लेकर बहुत सारी गलत जानकारी ईरानी और इजरायली मीडिया में फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह मानते हैं कि जब इजरायल की जनता को इस

समझौते की पूरी जानकारी समझ में आएगी, तो वे इसे मध्य पूर्व में एक नए दौर की शुरुआत के रूप में देखेंगे, जहां शांति और समृद्धि का रास्ता खुलेगा। यही हम चाहते हैं और हमें भरोसा है कि समय के साथ इजरायल भी इससे सहमत होगा। ' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में नेतन्याहू की सार्वजनिक आलोचना की और उन्हें सख्त इंसान करार दिया। इसे लेकर पूछे गए सवाल पर वेंस ने कहा, 'इजरायल अक्सर एक अच्छा साझेदार है, हमारे हित कई बार मिलते हैं, लेकिन कभी-कभी मुद्दों पर मतभेद भी होते हैं। यह पूरी तरह सामान्य है। हमारे सबसे करीबी सहयोगियों, चाहे वह यूनाइटेड किंग्डम हो या इजरायल, सभी के साथ कभी-कभी असहमति हो जाती है। ' दरअसल, द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने नेतन्याहू को बेहद कठिन शख्स करार दिया था, साथ ही कहा कि नेतन्याहू को अमेरिका का आभारी होना चाहिए क्योंकि अमेरिका की पहल ने क्षेत्र को बड़े संकट से बचाया है। वहीं, समझौते के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति शुक्रवार से पहले ही वाशिंगटन और तेहरान के बीच हुए समझौते को सार्वजनिक करने का फैसला कर सकते हैं।वेंस के अनुसार, इस समझौते पर अमेरिका और ईरान के नेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्ताक्षर कर दिए हैं, जबकि इसकी औपचारिक और प्रत्यक्ष (इन-पर्सन) हस्ताक्षर प्रक्रिया शुक्रवार को होने की उम्मीद है।

अमेरिकी वायु सेना का B-52 बॉम्बर विमान क्रैश, हादसे में 8 लोगों की मौत

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयर फ़ोर्स बेस से उड़ान भरने के तुरंत बाद अमेरिकी वायु सेना का एक बी-52 (B-52) बॉम्बर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक हादसे में विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है। वायु सेना के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मृतकों में सैन्यकर्मी, सरकारी कर्मचारी और रक्षा ठेकेदार (कॉन्ट्रैक्टर्स) शामिल थे। वायु सेना के अनुसार, यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उस समय हुआ जब विमान एक नियमित परीक्षण मिशन (रूटीन टेस्ट मिशन) पर था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान क्रैश हो गया, जिसके बाद आसमान में काले धुएं का एक विशाल गुबार देखा गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मलबे की तस्वीरें और शुरुआती वीडियो फ़ुटेज देखने के बाद ही अधिकारियों ने साफ कर दिया था कि किसी के भी जीवित बचने की कोई संभावना नहीं थी। एडवर्ड्स एयर फ़ोर्स बेस के कर्नल जेम्स हेज़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, 'आज हमारे बेस ने एक भयानक त्रासदी का सामना किया है और हमने आठ महान अमेरिकियों को खो दिया है।' उन्होंने बताया कि मृतकों के

परिवारों को सूचित किया जा रहा है और प्रोटोकॉल के तहत 24 घंटे बाद ही उनके नामों का आधिकारिक खुलासा किया जाएगा। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है और वायु सेना ने दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

अमेरिका के साथ समझौते पर बोले ईरान के शीर्ष नेता, राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर को दिया श्रेय, स्पीकर ने बताया ऐतिहासिक जीत

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक बड़े समझौते के बाद ईरान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इस समझौते को देश के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ख़ामेनेई ने इस समझौते में 'देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाले प्रावधानों को शामिल कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर सभी प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो इसे देश के लिए गौरवान्वित करने वाला दस्तावेज़ माना जा सकता है।' गौरतलब है कि इस साल मार्च में सर्वोच्च नेता (सुप्रीम लीडर) का पद संभालने के बाद से मोजतबा ख़ामेनेई सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं और इस समझौते पर अभी तक उनकी ओर से कोई सीधा बयान नहीं आया है। दूसरी ओर, इस पूरी बातचीत में शीर्ष वार्ताकार की भूमिका निभाने वाले ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इसे ईरान की 'अंतिम जीत की ओर एक बड़ा क़दम' करार दिया है।

'कला, संस्कृति लोगों को करीब लाती है', ब्रातिस्लावा में वाराणसी प्रदर्शनी के मुरीद हुए पीएम मोदी

एजेंसी

ब्रातिस्लावा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ब्रातिस्लावा के प्रेसिडेंशियल पैलेस में वाराणसी पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पेंटिंग प्रदर्शनी देखने के बाद प्रधानमंत्री ने भारत और स्लोवाकिया के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति में लोगों तथा देशों को एक-दूसरे के करीब लाने की अद्भुत शक्ति होती है। इस प्रदर्शनी में हाल ही में वाराणसी की यात्रा करने वाले स्लोवाक कलाकारों की कृतियां भी शामिल थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपना अनुभव साझा करते हुए लिखा, 'ब्रातिस्लावा में बनारस का जुड़ाव! कल ब्रातिस्लावा के प्रेसिडेंशियल पैलेस में राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और मैंने वाराणसी पर आधारित एक शानदार प्रदर्शनी देखी, जिसमें हाल ही में शहर की यात्रा करने वाले स्लोवाक कलाकारों के कार्य भी शामिल थे। कला और संस्कृति में सचमुच लोगों को करीब लाने की अनोखी क्षमता होती है। इस प्रदर्शनी में जिन लोगों के कार्य प्रदर्शित किए गए, उन सभी को मेरी

शुभकामनाएं।' प्रधानमंत्री मोदी और स्लोवाक राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने स्लोवाक कलाकारों द्वारा प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से प्रेरित चित्रों और कलाकृतियों की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंशियल पैलेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने स्लोवाक कलाकारों द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रदर्शनी का अवलोकन किया।' मंत्रालय ने प्रदर्शनी की कुछ झलकियां भी साझा कीं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शनी 'वाराणसी शहर' विषय पर आधारित थी, जिसमें भारत के सबसे प्राचीन शहरों में से एक की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और दैनिक जीवन की झलक को कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया था। इन कलाकृतियों में उन स्लोवाक कलाकारों की पेंटिंग भी शामिल थीं, जिन्होंने हाल ही में वाराणसी की यात्रा की थी और वहां के अनोखे वातावरण तथा परंपराओं से प्रेरणा ली थी। दोनों नेताओं ने वाराणसी की रचनात्मक व्याख्या और सांस्कृतिक जीवंतता की सराहना की तथा कहा कि कला भारत और स्लोवाकिया के बीच मजबूत सांस्कृतिक पुल का काम करती रहेगी। स्लोवाकिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च राज्य सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास)' से सम्मानित किया। यह किसी विदेशी देश द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया 33वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, 'आज शाम ब्रातिस्लावा में ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस (फर्स्ट क्लास) प्राप्त कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस सम्मान के लिए स्लोवाकिया के लोगों और सरकार का मैं शुक्रगुजार हूं, जो भारत के 140 करोड़ लोगों का है। मैं यह अवॉर्ड भारत और स्लोवाकिया के बीच पक्की दोस्ती को समर्पित करता हूं।

page 1 and 8 June 17_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/17/2026 12:28 AM Page 2

स्थानीय समाचार

एल-जी श्री विनय कुमार सक्सेना ने 'स्नो लेपर्ड एंड हाई-एल्टीट्यूड नेचर (शान)' संरक्षण सोसायटी के गठन को मंजूरी दी

लेह, 16 जून। लद्दाख के उच्च हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने देश में अपनी तरह की पहली स्नो लेपर्ड एंड हाई-एल्टीट्यूड नेचर (शान) संरक्षण सोसायटी के गठन को मंजूरी प्रदान की है। यह सोसायटी केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा समुदाय आधारित पर्यावरणीय संरक्षण के लिए एक समर्पित संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करेगी।

यह सोसायटी वन्यजीवों और उनके आवासों के संरक्षण, स्नो लेपर्ड एवं उसके साथ रहने वाली अन्य प्रजातियों के क्षेत्रों के आसपास इको-डेवलपमेंट को बढ़ावा देने, संसाधनों को जुटाने तथा इको-टूरिज्म और सतत आजीविका को प्रोत्साहित करने का कार्य करेगी।

लद्दाख के उपराज्यपाल का कार्यभार संभालने के बाद से ही श्री सक्सेना ने पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकीय स्थिरता को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल किया है। 'शान' संरक्षण सोसायटी की स्थापना इसी व्यापक पर्यावरणीय दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण कदम है, जो जैव विविधता संरक्षण के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

यह सोसायटी एक बहु-हितधारक मंच के रूप में गठित की गई है, जिसका उद्देश्य लद्दाख की विशिष्ट अल्पाइन वन्यजीव प्रजातियों, स्नो लेपर्ड, विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों, आर्द्रभूमियों तथा संवेदनशील शीत मरुस्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह वैज्ञानिक निगरानी एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करेगी, जैव विविधता प्रबंधन को सुदृढ़ बनाएगी, मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करेगी, समुदाय आधारित संरक्षण पहलों को बढ़ावा देगी तथा सतत इको-टूरिज्म और आजीविका सृजन में सहयोग करेगी।

उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा,卐लद्दाख में पर्यावरण संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रहा है, क्योंकि यहां के संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए ऐसा विकास मॉडल आवश्यक है जिसमें संरक्षण को केंद्र में रखा जाए। स्नो लेपर्ड केवल एक वन्यजीव प्रजाति नहीं है, बल्कि यह लद्दाख की पारिस्थितिक पहचान और प्राकृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। 'शान' संरक्षण सोसायटी विज्ञान आधारित और समुदाय संचालित संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत पहल है, जो पर्यावरण संरक्षण और सतत आजीविका को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

हीटवेव से बचाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनजागरूकता अभियान

जम्मू, 16 जून (हि.स.)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भीषण गर्मी एवं लू (हीटवेव) से बचाव के लिए सतर्कता बरतने तथा मानवता एवं जीव-जंतुओं की सेवा के लिए आगे आने के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा वार्ड नंबर 59, पलौड़ा जम्मू में एक विशाल जनकल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयुष विभाग जम्मू के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया जबकि सोशल फॉरेस्ट्री विभाग जम्मू के सहयोग से आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों का वितरण किया गया। साथ ही गर्मी के मौसम में पक्षियों के संरक्षण और उनकी प्यास बुझाने के लिए नागरिकों को पानी एवं दाने रखने हेतु सकोरे भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव तथा विशिष्ट अतिथि एपी रूरल रविंदर सिंह थे। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अपने संबोधन में डॉ. देवांश यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ती गर्मी की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण, जल संरक्षण और पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

उन्होंने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सेवा और जागरूकता की भावना को मजबूत करने वाला प्रयास बताया। विशिष्ट अतिथि रविंदर सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक सेवा एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने निःशुल्क चिकित्सा शिविरों और औषधीय पौधों के वितरण को जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि इससे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलने के साथ-साथ आयुर्वेद के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम में श्रीमाता वैष्णो देवी के मुख्य पुजारी गोपाल शास्त्री, भाजपा युवा मोर्चा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष अरुण प्रभात सिंह, पूर्व पार्षद कुलदीप सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया, निःशुल्क दवाइयां प्राप्त कीं तथा औषधीय पौधे और पक्षियों के लिए सकोरे लेकर इस जनहितकारी अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

रुट्ट राड़े का भव्य आयोजन, डोगरा संस्कृति की विरासत को किया जीवंत

जम्मू, 16 जून (हि.स.)। डोगरा डिग्री कॉलेज (स्वायत्त) में 'रुट्ट राड़े 2026 – ए डोगरी फोक फेस्टिवल' का उत्साह और पारंपरिक रंगों के साथ आयोजन किया गया। कॉलेज के अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधि समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य डोगरा समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईक्यूएसी समन्वयक अदिति खजूरिया के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए डोगरा सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डोगरा एजुकेशनल ट्रस्ट (डीईटी) के सचिव डॉ. समर देव सिंह, डीईटी की गवर्निंग बॉडी एवं एडवाइजरी कमेटी के सदस्य आर.एस. कटा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक 'राड़े' की रस्म रही जिसमें अतिथियों और शिक्षकों ने सुंदर ढंग से सजाए गए राड़ों में बीज बोकर उत्सव की औपचारिक शुरुआत की। पारंपरिक डिजाइनों और रंगोली से सजे राड़े समृद्धि, सौहार्द और डोगरा संस्कृति की प्राचीन परंपराओं के प्रतीक बने। अपने अध्यक्षीय संबोधन में आर.एस. कटाल ने डोगरा सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने के लिए कॉलेज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। वहीं डॉ. समर देव सिंह ने कहा कि युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन डोगरा भाषा, संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उत्सव को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए शिक्षकों द्वारा पारंपरिक डोगरी व्यंजनों की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस पहल का उद्देश्य डोगरा समुदाय की समृद्ध पाक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करना था। इस आयोजन में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रक्तदान केवल एक दिन का कार्य नहीं बल्कि समाज के प्रति हमारी निरंतर जिम्मेदारी-कमांडेंट अरविंद सिंह

कठुआ, 16 जून (हि.स.)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 121 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा बटालियन मुख्यालय हीरानगर में एक विशाल रक्तदान शिविर एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान सीआरपीएफ के जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में 121 बटालियन के कमांडेंट अरविंद सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय रजक, उप-कमांडेंट संदीप कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारियों और जवानों की उपस्थिति रही। शिविर का शुभारंभ कमांडेंट अरविंद सिंह ने स्वयं रक्तदान कर किया जिसके बाद बड़ी संख्या में जवानों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर कमांडेंट अरविंद सिंह ने कहा कि रक्तदान केवल एक दिन का कार्य नहीं बल्कि यह समाज के प्रति हमारी निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने जवानों को नियमित अंतराल पर रक्तदान करने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिया गया रक्त किसी के लिए जीवनदान बन सकता है इसलिए हर व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर कमांडेंट ने सभी प्रतिभागियों और शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाली जीएमसी कठुआ की मेडिकल टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह की पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और सुरक्षित भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी। इस अभियान के तहत 121 बटालियन ने न केवल बड़े पैमाने पर रक्तदान किया, बल्कि मानवता की सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपने संकल्प को भी दोहराया।

सतीश शर्मा ने श्रीनगर शहर में मुहर्रम तैयारियों की समीक्षा की, आवश्यक कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर दिया जोर

श्रीनगर, 16 जून। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवाएं एवं खेल तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री **सतीश शर्मा** ने आज आगामी मुहर्रम के मद्देनजर श्रीनगर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया।

दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि आम जनता के लिए आवश्यक नागरिक एवं आधारभूत सुविधाएं समय रहते उपलब्ध कराई जा सकें।

निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ **जदीबल के विधायक तनवीर सादिक**, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री ने डल क्षेत्र के भीतरी इलाकों **मीर बहारी, मीना बाजार, मोती मोहल्ला, बट मोहल्ला, गुच्ची मोहल्ला** सहित **काठी दरवाजा, मदीन साहिब, तिब्बतन कॉलोनी, बट कॉलोनी और मंडीबल** का दौरा किया। उन्होंने चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा मुहर्रम के दौरान आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने वाले विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की।

दौरे के दौरान सतीश शर्मा ने नागरिक सुविधाओं से संबंधित आधारभूत ढांचे का मौके पर निरीक्षण किया तथा **स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता, जल निकासी व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क संपर्क, सफाई अभियान तथा अन्य जन उपयोगी सेवाओं** से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सक्रिय रूप से कार्य करने तथा सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मंत्री ने **विद्युत विकास विभाग (पीडीडी)** और **शहरी पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग (यूईईडी)** की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने मुहर्रम के दौरान निर्बाध बिजली और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी कमी की तत्काल पहचान कर उसका समाधान किया जाए तथा आवश्यक सेवाओं की चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाए।

विभिन्न स्थानों पर मंत्री ने स्थानीय निवासियों, सामुदायिक प्रतिनिधियों तथा मुहर्रम कमेटियों के सदस्यों से बातचीत की। लोगों ने उन्हें अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से अवगत कराया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार मुहर्रम के शांतिपूर्ण और सुचारू आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है तथा दौरे के दौरान उठाए गए सभी वास्तविक मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

योग दिवस की तैयारियां तेज, एडीसी बसोहली ने दिए निर्देश

बसोहली, 16 जून (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों को लेकर एडीसी कार्यालय बसोहली में एक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता एडीसी पंकज भगोत्रा ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

एडीसी ने बताया कि 20 जून को सुबह 6:30 बजे पुरथू में योग सत्र आयोजित किया जाएगा जिसमें उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। वहीं 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में भी सुबह 6:30 बजे योग शिविर लगेगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीसी ने आयुष विभाग व बीबीडीए को 50-50 योगा मैट उपलब्ध कराने, बीएमओ को एम्बुलेंस तथा जल शक्ति विभाग को पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। आयुष विभाग के प्रशिक्षक दोनों शिविरों में योगाभ्यास कराएंगे। एडीसी ने बसोहली क्षेत्र के लोगों से 20 व 21 जून को आयोजित योग शिविरों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

श्री बुड्ढा अमरनाथ जी यात्रा के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यात्रा बेस कैंप का किया निरीक्षण

पुंछ, 16 जून (हि.स.)। आगामी श्री बुड्ढा अमरनाथ जी यात्रा के मद्देनजर 5पुंछ पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से यात्रा बेस कैंप श्री दशनामी अखाड़ा तथा आसपास के क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

यह निरीक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय शर्मा के नेतृत्व में किया गया जिसमें विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की अलग-अलग शाखाओं के अधिकारियों एवं जवानों ने भाग लिया। निरीक्षण के दौरान यात्रा मार्ग, सुरक्षा तैनाती, निगरानी व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास बिंदुओं सहित अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत कर सुरक्षा प्रबंधों को और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता बढ़ाने, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी संभावित चुनौती से निपटने की तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय नीरज शर्मा भी उपस्थित रहे और उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।

कठुआ में योग 365 की गूंज-ड्रीम लैंड पार्क में योग सत्र, नशामुक्त जीवन का संकल्प

कठुआ, 16 जून (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पूर्व आयोजित गतिविधियों के क्रम में जिला प्रशासन कठुआ ने जिला आयुष कार्यालय के सहयोग से ड्रीम लैंड पार्क कठुआ में जागरूकता सह योग सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम योग 365 अभियान के तहत स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम पर आयोजित हुआ।

कार्यक्रम डीसी कठुआ राजेश शर्मा के मार्गदर्शन, निदेशक आयुष जम्मू-कश्मीर डॉ. अजय कुमार टिक्कू के निर्देश तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा की देखरेख में संपन्न हुआ। सत्र के दौरान नोडल अधिकारी आईडीवाई-2026 डॉ. बोध पाल, योग प्रशिक्षक अंकुश और आयुष टीम ने विभिन्न योगासन व प्राणायाम का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और संतुलित जीवनशैली में योग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ भी दिलाई गई जिसमें प्रतिभागियों ने नशामुक्त जीवन और दैनिक योग अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, मॉर्निंग वॉकर समूह, डॉ. विशाल मलागर की टीम, स्थानीय गणमान्य नागरिक एवं आयुष स्टाफ उपस्थित रहे। कुल 63 लोगों ने भाग लिया और पहल की सराहना करते हुए योग को दिनचर्या में अपनाने का संकल्प दोहराया।

सीएसआईआर-आईआईआईएम में टोलिक की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक आयोजित, राजभाषा कार्यान्वयन को सशक्त बनाने हेतु डिजिटल पोर्टल लॉन्च

जम्मू, 16 जून। राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक), जम्मू (014) की अर्धवार्षिक बैठक सोमवार को सीएसआईआर-भारतीय समेकित औषधि संस्थान (आईआईआईएम), जम्मू में आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा राजभाषा हिंदी के उपयोग की प्रगति की समीक्षा, चुनौतियों पर चर्चा और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक की अध्यक्षता सीएसआईआर-आईआईआईएम के निदेशक एवं टोलिक जम्मू के अध्यक्ष **डॉ. ज़बीर अहमद** ने की। बैठक में समिति से संबद्ध 102 सदस्य कार्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण टोलिक जम्मू के लिए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल एवं वेबसाइट का शुभारंभ रहा, जिसका उद्देश्य सदस्य संस्थानों के बीच रिपोर्टिंग, निगरानी एवं समन्वय प्रक्रिया का आधुनिकीकरण करना है।

प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पारदर्शिता, डिजिटल संपर्क और संस्थागत दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक समयोचित कदम बताया।

अपने संबोधन में डॉ. ज़बीर अहमद ने कहा कि बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं संस्थानों की भागीदारी राजभाषा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य केवल समीक्षा बैठकें आयोजित करना नहीं, बल्कि ऐसा सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना है, जिसमें संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन के राष्ट्रीय मिशन में सक्रिय योगदान दें।

उन्होंने कहा कि टोलिक जम्मू से अब 102 सदस्य कार्यालय जुड़े हुए हैं, इसलिए बेहतर परिणामों के लिए जिम्मेदारियों का प्रभावी वितरण आवश्यक है। उन्होंने संस्थानों से राजभाषा संबंधी गतिविधियों में अधिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। डॉ. अहमद ने कहा कि सरकारी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को केवल अनुपालन की दृष्टि से नहीं, बल्कि **विकसित भारत 2047** के व्यापक लक्ष्य में योगदान के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने सभी सदस्य कार्यालयों से राजभाषा लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। नवप्रारंभित पोर्टल के बारे में उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से सदस्य संस्थान अपनी रिपोर्ट, गतिविधियां और आंकड़े सीधे अपलोड कर सकेंगे, जिससे विलंब कम होगा तथा समीक्षा और समन्वय के लिए एक केंद्रीकृत सूचना प्रणाली विकसित होगी। उन्होंने संस्थानों से सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक मंचों पर अपनी राजभाषा गतिविधियों को साझा करने का भी आग्रह किया उन्होंने हिंदी आधारित कार्यशालाओं, सांस्कृतिक संवाद कार्यक्रमों एवं ज्ञान-साझाकरण गतिविधियों के आयोजन का सुझाव दिया।

सीआरपीएफ की 76वीं बटालियन ने वृद्ध आश्रम अम्फल्ला में आयोजित किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

जम्मू, 16 जून (हि.स.)। करुणा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 76वीं बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने आज होम फॉर द एज्ड एंड इन्फर्म (वृद्ध आश्रम), अम्फल्ला जम्मू में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताकर उन्हें सम्मान, स्नेह और अपनत्व का एहसास कराना था। कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट वर्षा सिंह और विजय कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ लगभग 20 सीआरपीएफ जवानों ने भी भाग लिया और आश्रम निवासियों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित किया।

सार्जेंट संजीत कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, संगीत, संवादात्मक गतिविधियां और मनोरंजक कार्यक्रम शामिल रहे। इन प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उल्लास, खुशी और भावनात्मक जुड़ाव से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। आश्रम की ओर से सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता तथा प्रबंधन समिति के सदस्य राजिंदर सिंह और सतपाल शर्मा ने सीआरपीएफ अधिकारियों एवं जवानों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर राघव गुप्ता, भूमि शर्मा और खुशी शर्मा भी उपस्थित रहे और उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताकर कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बनाया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं जिनके अनुभव, ज्ञान और जीवन मूल्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के सम्मान, देखभाल और कल्याण को प्राथमिकता देना प्रत्येक समाज की जिम्मेदारी है। आश्रम प्रशासन ने सीआरपीएफ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बुजुर्गों के जीवन में नई ऊर्जा और प्रसन्नता का संचार करते हैं। साथ ही सुरक्षा बलों और समाज के बीच आपसी विश्वास, सम्मान और सौहार्द को भी मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान आश्रम निवासियों ने सीआरपीएफ अधिकारियों और जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्र सेवा में उनके समर्पण और बुजुर्गों के प्रति उनकी मानवीय संवेदनशीलता की प्रशंसा की। उन्होंने जवानों को शुभकामनाएं और आशीर्वाद भी प्रदान किए। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, गरिमा, सामाजिक समावेशन और भावनात्मक सहयोग को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।